मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 9 अंक 123
रविवार, 15 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

'भारत समिट' में बोले राहुल गांधी, हम पीएम मोदी और बीजेपी को हराने के लिए तैयार हैं

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि विपक्ष मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए तैयार है। हैदराबाद में भारत समिट 2026 में बोलते हुए, कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पूरे देश में, खासकर राष्ट्रीय राजधानी में जनता के बीच बढ़ रही नाराजगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत है। गांधी ने कहा कि मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि हम पीएम मोदी को हराने जा रहे हैं और उनसे छुटकारा पाने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा आप इसे देख सकते हैं। हमारी सड़कों पर, दिल्ली में, और उस डर में जो प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह के मन में है। यह तो तय हो चुका है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राजनीति और व्यापार के मिलन का आरोप लगाते हुए कहा कि उद्योगपति गौतम अडानी और प्रधानमंत्री के बीच का अंतर अब खत्म हो गया है। हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'भारत समिट 2026' को संबोधित करते हुए - जहाँ तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे - राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि राजनीतिक फंडिंग और कॉरपोरेट विस्तार आपस में जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा आज हमारे देश में एक व्यवसायी है। बीजेपी के सत्ता में



आने से पहले, वह दुनिया के 600वें सबसे अमीर व्यक्ति थे। कुछ महीने पहले, वह दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। वह इतने अमीर कैसे बन गए? राजनीति और व्यापार के मिलन से। व्यापार और राजनीति के बीच, यानी अडानी और प्रधानमंत्री मोदी के बीच का अंतर अब खत्म हो गया है। अब यह अंतर बचा ही नहीं है। इसका असर राजनीतिक फंडिंग में देखा जा सकता है। अडानी द्वारा जुटाई गई संपत्ति में भी इसका असर दिखता है... नतीजा यह है कि एक दशक में बीजेपी की संपत्ति 11 गुना बढ़ गई है... हमने पाया कि हमारे पास मौजूद कोई भी तरीका काम नहीं कर रहा था। मीडिया, प्रेस कॉन्फ्रेंस, इंटरव्यू, जनसभाएं - जो तरीके पहले असरदार होते थे, उनमें से कुछ भी काम नहीं आया... हमें कहीं से कोई समर्थन नहीं मिला। संस्थाओं पर कब्जा कर लिया गया था... लेकिन हमने महसूस किया कि फासीवादी ताकतें चाहे कितनी भी संस्थाओं को नियंत्रित कर लें, या उनके पास कितना भी पैसा क्यों न हो, भारत की जनता के साथ सीधा जुड़ाव किसी भी अन्य चीज से कहीं अधिक शक्तिशाली होता है। इससे पहले, शनिवार को हैदराबाद में 'भारत समिट' के दौरान, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मतदाता सूची (इलेक्टोरल रोल) की निष्पक्षता पर सवाल उठाए।

परिसीमन बिल पास हुआ तो 2029 का लोकसभा चुनाव देश में आखिरी होगा: अशोक गहलोत

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने परिसीमन के मुद्दे को लेकर शनिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि अगर परिसीमन से संबंधित विधेयक पारित हो गया तो संभव है कि 2029 का लोकसभा चुनाव देश का आखिरी चुनाव साबित हो। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र, न्यायपालिका, जांच एजेंसियों और निर्वाचन आयोग पर दबाव की स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। गहलोत ने शनिवार को यहां बाल दिवस पर आयोजित नेहरू मेमोरियल यूथ फेस्टिवल-2026 में कहा कि देश के मौजूदा हालात में जवाहरलाल नेहरू के विचारों और उनकी बौद्धिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है।उनका कहना था, नेहरू ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान करीब दस वर्ष जेल में बिताए और इसी दौरान डिस्कवरी ऑफ इंडिया , ग्लिम्पसेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री तथा



अपनी आत्मकथा जैसी महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं। नेहरू विचारक, लेखक और दूरद्रष्टा थे तथा उनके सपनों का भारत आज भी देश को मजबूती प्रदान कर रहा है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू ने बड़े बांधों, औद्योगिक इकाइयों, इस्पात संयंत्रों और एम्स, आईआईटी तथा आईसीसीआर जैसी संस्थाओं की स्थापना कर देश की मजबूत नींव रखी। नई पीढ़ी को उनके योगदान और स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को समझना चाहिए। गहलोत ने आरोप लगाया कि आज लोकतंत्र खतरे में है और न्यायपालिका, जांच एजेंसियों तथा निर्वाचन आयोग पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और बौद्धिक जगत में इन मुद्दों पर लगातार चर्चा हो रही है। नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह सच्चाई की तह तक जाए और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आए। परिसीमन के मुद्दे पर गहलोत ने दावा किया, ह्यह्यय विधेयक रुक गया है। (यदि) यह पारित हो गया तो हो सकता है कि 2029 का चुनाव अंतिम चुनाव हो। उन्होंने असम और राजस्थान का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि वार्डों के पुनर्गठन में राजनीतिक लाभ के लिए सीटों का स्वरूप बदला गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि राजस्थान में चार कांग्रेस समर्थित वार्डों को मिलाकर एक बड़ा वार्ड बना दिया गया, जबकि भाजपा समर्थित एक वार्ड को तीन हिस्सों में बांट दिया गया।

एफआईआर मामले में अभिषेक बनर्जी को कोलकाता पुलिस का समन, 20 नवंबर को दोबारा पेशी का आदेश

कोलकता, 14 नवम्बर। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को कोलकाता पुलिस के सामने पेश होने के बाद कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा समन का जवाब देते रहे हैं और आगे भी ऐसा ही करेंगे। बनर्जी ने भवानीपुर पुलिस स्टेशन से बाहर निकलने के बाद ये बातें कहीं। वे 31 अक्टूबर को गिरीश पार्क पुलिस स्टेशन में दर्ज एक FIR के सिलसिले में वहां पहुंचे थे, जो पुलिस के खिलाफ उनके कथित बयानों से जुड़ी है। उन्हें 20 नवंबर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। पत्रकारों से बात करते हुए, TMC नेता ने कहा कि वे कभी किसी के सामने नहीं झुकेंगे। मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। पहले भी जब-जब



उन्होंने मुझे बुलाया है, मैं गया हूँ। अगर वे आगे भी बुलाएंगे, तो मैं जाऊंगा। यह उनकी बचकानी हरकत है। उन्हें लगता है कि पुलिस का नोटिस आ जाए या बुलडोजर चल जाए, तो मैं डर जाऊंगा। मैं डरने वालों में से नहीं हूँ। आपके पास जो भी ताकत है, उसका इस्तेमाल कर लें। अपनी पूरी ताकत लगा दें। मुझे जेल में डाल दें, मेरा गला दबा दें, लेकिन यह सिर किसी के सामने नहीं झुकेगा।

टीएमसी सांसद ने कालीघाट में अपने आवास के पास हाल ही में हुई बुलडोजर कार्रवाई का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा हटाई गई संरचना सरकार द्वारा बनाई गई थी और इसका इस्तेमाल पुलिसकर्मी करते थे। यह पिछले चार-छह महीनों से चल रहा है और आगे भी चलता रहेगा। दो दिन पहले हुई इस बुलडोजर कार्रवाई में मेरा कुछ भी नहीं था। वह सरकार ने बनवाया था। वहां पुलिसकर्मी बैठते थे। वहां एक कैंप था, एक चौकी थी, और पीछे एक और चौकी थी। तीन चीजें तोड़ी गईं। अब यहां से पूरा फुटपाथ बंद हो गया है। मैं बीजेपी से बस यही गुजारिश करूंगा कि यहां बैठे लोगों को न हटाएं, क्योंकि यह उनकी रोजी-रोटी का सवाल है। अगर बुलडोजर चलाना ही है, तो मुझ पर चलाएं। गरीबों पर मत चलाएं।

भारत और अमेरिका व्यापार समझौते अंतिम चरण में, ज्यादातर मुद्दों का समाधान: एस जयशंकर

नयी दिल्ली, 14 नवम्बर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित व्यापार समझौते से जुड़े ज्यादातर मुद्दों को सुलझा लिया है और शेष चिंताओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि इस समझौते को जल्द ही अंतिम रूप दिया जा सकता है। उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जी20 शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका की संभावित यात्रा से एक महीने पहले आई है।

इस सम्मेलन से इतर मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हो सकती है, जिसमें वे द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक दिशा और व्यापार समझौते पर हुई प्रगति की समीक्षा कर सकते हैं। विदेश मंत्री ने एचटी लीडरशिप समिट में एक सत्र के दौरान कहा कि बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि शेष बचे कई मुद्दे भारत की ओर से नहीं हैं और अमेरिकी पक्ष में अधिक बदलाव हुए हैं।

उन्होंने व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत पर एक सवाल के जवाब में कहा, हमें पूरी उम्मीद है और कई मायनों में यह भरोसा भी है कि बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। यह कोई गोपनीय बात नहीं है। ऐसी अटकलें हैं कि भारत और अमेरिका 14 और 15 दिसंबर को मियामी में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से इतर मोदी और ट्रंप के बीच बातचीत के बाद व्यापार समझौते की घोषणा कर सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि उनकी समझ के मुताबिक ज्यादातर मुद्दों का समाधान हो चुका है।

उन्होंने कहा, कुछ मुद्दे अभी अंतिम चरण में हैं और कई मामलों में ये चिंताएं भारत की तरफ से नहीं हैं, क्योंकि अमेरिका की ओर से भारत की तुलना में अधिक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि



हम इसे जल्द ही अंतिम रूप दे देंगे। बातचीत के अंतिम दौर में सभी पक्षों का अधीर होना स्वाभाविक है। पिछले महीने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मुंबई में कहा था कि दोनों पक्ष व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं। भारत और अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर 2025 की शुरूआत से बातचीत कर रहे हैं।

इसका उद्देश्य शुल्क संबंधी मतभेदों को दूर करना, गैर-शुल्क बाधाओं को खत्म करना और दोनों देशों के बीच बाजार तक पहुंच बढ़ाना है। भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार में उसके उत्पादों पर प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले कम शुल्क लगाया जाए। जयशंकर ने कहा, हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम ऐसा व्यापार समझौता चाहते हैं जो फायदेमंद और संतुलित हो। उन्होंने कहा, हम वास्तव में यही चाहते हैं और व्यापार समझौता होने के बाद हम खुद को इसी स्थिति में देखना चाहते हैं। विदेश मंत्री ने दोनों देशों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित व्यापार समझौते को एक बड़े परिप्रेक्ष्य में देखने की भी अपील की।

उन्होंने कहा, हमारे मामले में, कई शुरूआती व्यापार समझौते एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के साथ किए गए थे और उनमें से कई अर्थव्यवस्थाएं वास्तव में प्रतिस्पर्धी थीं।

इन मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से लोगों को जिस लाभ की उम्मीद थी, वह वास्तव में पूरी तरह नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा, आज यदि पिछले कुछ वर्षों में हुए एफटीए पर गौर करें, तो मुझे लगता है कि उन पर कहीं अधिक सोच-विचार किया गया है। उनका रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी अधिक आकलन किया गया है।

झारखंड में अंधविश्वास की बलि चढ़ी 8 साल की बच्ची, नरबलि के आरोप में 3 गिरफ्तार

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में काली पूजा के दिन कथित तौर पर नरबलि अनुष्ठान के तहत आठ वर्षीय एक बच्ची की उसके रिश्तेदारों द्वारा हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने बताया कि इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नैथानी ने कहा, "बच्ची आठ नवंबर को लापता हो गई थी। काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो उसकी मां ने 11 नवंबर को प्रतापपुर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। बच्ची का शव 13 नवंबर को उसके घर से करीब 150 मीटर दूर धान के एक खेत से बरामद किया गया।" उन्होंने बताया कि मामले की जांच में पता चला है कि अंधविश्वास के कारण बच्ची की हत्या की गई है। नैथानी ने कहा, "पीड़िता की एक रिश्तेदार घर पर कथित तौर पर तंत्र-मंत्र करती थी। सिद्धि प्राप्त करने के लिए महिला ने अपने पति के बड़े भाई और उनके बेटे के साथ मिलकर अमावस्या की रात बच्ची की हत्या कर दी।" पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों की बच्ची के परिवार के साथ पुरानी रंजिश भी थी। पुलिस ने बताया कि उसने आरोपी के घर से खून से सनी दरांती, खुरपी, लोहे की छेनी, टूटी हुई लाल चूड़ियां, पीड़िता के कपड़े और अनुष्ठान में कथित तौर पर इस्तेमाल हुई अन्य सामग्री बरामद की गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आरोपियों ने मामले को यौन हिंसा का रूप भी देने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, "तीनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। हम बिहार के एक मौलवी की भी तलाश कर रहे हैं, जिसने आरोपियों को यह प्रशिक्षण दिया था।" पुलिस ने बताया कि अनुष्ठान के तहत बच्ची की गला घोंटकर हत्या कर दी गई और बाद में उसके शव को धान के खेत में फेंक दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला: हरियाणा पवेलियन में सजा एक्सपोर्ट कॉर्नर, बना प्रधानमंत्री के विजन और मुख्यमंत्री के संकल्प का प्रतीक

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। देश को एक्सपोर्ट के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को धरातल पर उतारने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूरी तरह संकल्पित हैं। इसी संकल्प की एक सशक्त तस्वीर दिल्ली के प्रगति मैदान में लगे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में देखने को मिल रही है, जहां पहली बार हरियाणा पवेलियन में विशेष एक्सपोर्ट कॉर्नर बनाया गया है।

यह कॉर्नर केवल प्रदर्शनी का एक हिस्सा नहीं, बल्कि हरियाणा के उद्यमियों के हुनर और दुनिया के बाजारों के बीच एक सीधा पुल है। यहां प्रदेश से विदेशों में भेजे जाने वाले उत्पादों को सजाकर प्रदर्शित किया गया है, ताकि मेले में आने वाले हर आगंतुक को यह अहसास हो कि हरियाणा में बना सामान आज सात समंदर पार तक अपनी पहचान बना रहा है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए हरियाणा के एमएसएमई के उपनिदेशक रमनदीप ने बताया कि एक्सपोर्ट कॉर्नर में प्रदेश से विदेशों में एक्सपोर्ट होने वाले उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि हर उत्पाद के साथ केवल उसकी जानकारी ही नहीं, बल्कि संबंधित उत्पादकों का विवरण भी उपलब्ध कराया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि यदि कोई देशी या विदेशी खरीदार किसी उत्पाद में रुचि दिखाए और अधिक जानकारी मांगे तो उसे बिना किसी बिचौलिए के सीधे उत्पादक तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रदेश के उत्पादकों, विशेषकर छोटे और मध्यम उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध हुआ है। इससे उन्हें विदेशों से भी ऑर्डर प्राप्त होने की संभावना बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इस कॉर्नर का मूल मकसद प्रदेश में एक्सपोर्ट को अधिक से अधिक बढ़ाना और हरियाणा के उत्पादों को वैश्विक बाजार में मजबूत पहचान दिलाना है।

हरियाणा पवेलियन के निदेशक अनिल चौधरी ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस बार मेला प्रशासन ने विशेष तौर पर सभी राज्यों से अनुरोध किया था कि वे अपने राज्य पवेलियन में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उच्च मांग वाले निर्यात उत्पादों के प्रदर्शन की व्यवस्था करें। इसके लिए पवेलियन में अलग से एक एक्सपोर्ट कॉर्नर बनाने का सुझाव दिया गया था।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध



Wish you a very happy
Diwali & New Year
शुभ दीपावली, भैया दूज
और महापर्व छठ पूजा की हार्दिक बधाई।
Clean Green Energy
PURE GAS PRODUCT
O2
For oxygen, nitrogen, hydrogen, argon, CO2, D/A, Helium & Spl. Gases
ONLY TRUSTED AND FRIENDLY NAME IN BOISAR - TARAPUR
Safe, Reliable & High Quality Gases for a Better Tomorrow
Quality Assurance
Trusted Service
On Time Delivery
Go Green Save Earth
Proprietor: Mr. Varoon Chaube
Mobile no: 7798320789 / 9561533984 / 869870568
Address: W-12 MIDC Tarapur, near Camlin Naka.

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

बिरसा मुंडा की 151वीं जयन्ती- 15 नवम्बर, 2026 पर विशेष

बिरसा मुंडा: क्रांतिकारी, समाज-सुधारक और जन-आस्था के भगवान



-ललित गर्ग

किसी महापुरुष का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जाता कि उसने अपने समय में कितनी लोकप्रियता अर्जित की, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि उसने अपने समाज की पीड़ा को कितनी गहराई से समझा, अन्याय के विरुद्ध कितनी निर्भीकता से खड़ा हुआ और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी चेतना छोड़ी। इस कसौटी पर बिरसा मुंडा भारतीय इतिहास के उन विलक्षण नायकों में दिखाई देते हैं, जिनका जीवन छोटा था, लेकिन संघर्ष विराट। मात्र लगभग 25 वर्ष की आयु में उन्होंने अंग्रेजी साम्राज्य, जमींदारी शोषण, महाजनी व्यवस्था, सामाजिक कुरीतियों और सांस्कृतिक दासता के विरुद्ध ऐसी चेतना जगाई, जिसने उन्हें केवल आदिवासी नायक नहीं, बल्कि भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के अग्रणी जननायकों की पंक्ति में खड़ा कर दिया। आदिवासी अस्मिता, स्वतंत्रता-संग्राम, जल-जंगल-जमीन और आध्यात्मिक आस्था के प्रतीक ऊलगुलान यानी बिरसा मुंडा के संघर्ष और स्वतंत्रता की चेतना ने भारत को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें धरती आबा और बिरसा भगवान के रूप में पूजा जाता है। उनका संघर्ष केवल अंग्रेजों से मुक्ति का नहीं, अस्मिता, स्वाभिमान और स्वराज का महासंग्राम था। 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातु में जन्मे बिरसा मुंडा का जीवन उस भारत की कहानी है, जिसे औपनिवेशिक सत्ता केवल राजस्व और संसाधनों की दृष्टि से देखती थी। आदिवासी के लिए जंगल केवल जंगल नहीं था, जमीन केवल जमीन नहीं थी और नदी केवल पानी का स्रोत नहीं थी। वह उसकी जीवन-पद्धति, संस्कृति, आस्था और अस्तित्व का आधार थी। अंग्रेजी शासन और उससे जुड़ी जमींदारी-महाजनी व्यवस्था ने जब इस जीवन-दर्शन को चुनौती दी, तब बिरसा के भीतर विद्रोह जन्मा। यहीं बिरसा मुंडा के संघर्ष को देखने का एक नया दृष्टिकोण सामने आता है। उनका आंदोलन केवल अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालने का राजनीतिक आंदोलन नहीं था। वह उससे कहीं अधिक व्यापक था। वह पूछ रहा था-किसका जंगल? किसकी जमीन? किसका शासन? किसकी संस्कृति? और किसके अधिकार? यही प्रश्न आगे चलकर उनके प्रसिद्ध ऊलगुलान, अर्थात महान जनविद्रोह, की आत्मा बने।



बिरसा ने महसूस किया कि किसी समाज को केवल बाहरी सत्ता नहीं गुलाम बनाती, उसके भीतर की कमजोरियां भी उसे कमजोर करती हैं। इसलिए उन्होंने तलवार से पहले चरित्र और चेतना को अपना हथियार बनाया। उन्होंने आदिवासी समाज में फैली अंधविश्वासपूर्ण प्रवृत्तियों, नशे, सामाजिक बुराइयों और रूढ़ियों के विरुद्ध आवाज उठाई। उन्होंने लोगों को अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूक किया। हिंसा और नशे से दूर रहने, नैतिक जीवन जीने और सामूहिक एकता बनाए रखने की प्रेरणा दी। इस अर्थ में बिरसा केवल क्रांतिकारी नहीं थे, वे समाज के भीतर से समाज को बदलने वाले सुधारक भी थे। उन्होंने समझ लिया था कि जिस समाज के भीतर आत्मविश्वास मर जाता है, वह बाहरी शोषण का प्रतिरोध लंबे समय तक नहीं कर सकता। इसलिए उन्होंने पहले आदिवासी समाज में आत्मसम्मान जगाया और फिर उसे अंग्रेजी सत्ता के सामने खड़ा किया। उनका संघर्ष किसानों और आदिवासियों के उस अधिकार के लिए था जिसे औपनिवेशिक व्यवस्था ने धीरे-धीरे छीन लिया था। महाजन कर्ज देते और बदले में जमीन पर कब्जा कर लेते। जमींदारी व्यवस्था शोषण को संस्थागत रूप देती। अंग्रेजी कानून आदिवासी जीवन-पद्धति के अनुकूल नहीं थे। बिरसा ने इस पूरी व्यवस्था को चुनौती दी। उनके लिए स्वराज का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था; स्वराज का अर्थ था अपनी जमीन पर अपना अधिकार, अपनी संस्कृति पर अपना अधिकार और अपने जीवन पर अपना निर्णय। यही कारण है कि बिरसा का ऊलगुलान इतिहास में एक असाधारण घटना बन गया। 1895 से 1900 के बीच उनका प्रभाव तेजी से बढ़ा। अंग्रेजी शासन ने उनके आंदोलन को अपने लिए गंभीर खतरे के रूप में देखा। गिरफ्तारियां हुईं, दमन हुआ, गोलियां चलीं, लेकिन आंदोलन की चेतना को कैद नहीं किया जा सका। जनवरी 1900 में डोमबाड़ी पहाड़ी की घटना ने संघर्ष को और उग्र रूप दिया। अंततः बिरसा मुंडा 3 फरवरी 1900 को गिरफ्तार हुए और 9 जून 1900 को रांची जेल में उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु ने उनके शरीर को समाप्त किया, लेकिन बिरसा को इतिहास से मिटाने की अंग्रेजों की कोशिश विफल हो गई। लोकगीतों, कथाओं, स्मृतियों और आदिवासी चेतना में वे जीवित रहे। यही किसी महापुरुष की वास्तविक विजय होती है-जब व्यक्ति चला जाता है, लेकिन उसका विचार समाज की सामूहिक चेतना बन जाता है। और यहीं बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व का सबसे अद्भुत पक्ष सामने आता है-वे आदिवासी समाज के लिए केवल नायक नहीं रहे, भगवान बन गए। झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में उन्हें श्रद्धा से ह्यबिरसा भगवान और धरती आबा कहा जाता है। यह केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है। इसके पीछे उस समाज की गहरी कृतज्ञता है, जिसने बिरसा में अपने अस्तित्व की रक्षा करने वाले मसीहा को देखा। जिस व्यक्ति ने उनकी धरती, संस्कृति, सम्मान और अधिकार के लिए अपना जीवन न्योछावर किया, वह उनके लिए देवतुल्य हो गया।

आज बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय स्मृति में जिस व्यापकता से प्रतिष्ठा मिली है, उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिरसा को केवल आदिवासी समुदाय के नायक के रूप में नहीं, बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय अस्मिता के नायक के रूप में जन-जन तक पहुंचाया। 2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा इसी राष्ट्रीय पुनर्स्मरण का महत्वपूर्ण पड़ाव बनी। 2024 से 2025 तक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर देशभर में जनजातीय गौरव वर्ष के कार्यक्रम हुए। 2024 में प्रधानमंत्री ने बिहार के जमुई में स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया तथा जनजातीय क्षेत्रों के विकास से जुड़े अनेक कार्यक्रमों की शुरूआत की। 2025 में उनकी 150वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री ने गुजरात के डेडियापाड़ा में फिर बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय श्रद्धांजलि दी और कहा कि भारत की स्वतंत्रता, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा में जनजातीय समाज अग्रिम पंक्ति में रहा है।

मोदी द्वारा बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का महत्व केवल इतना नहीं कि एक महान आदिवासी नायक को उचित सम्मान मिला। इससे भारतीय इतिहास को देखने का दृष्टिकोण भी व्यापक हुआ है। अब स्वतंत्रता संग्राम की कथा केवल दिल्ली, मुंबई, कोलकाता या बड़े राजनीतिक केंद्रों की कथा नहीं रही; उसमें जंगलों, पहाड़ों और आदिवासी अंचलों के उन असंख्य संघर्षों को भी स्थान मिल रहा है, जिन्होंने ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी। सरकार ने जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के इतिहास और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए संग्रहालयों सहित अनेक पहल भी की हैं। बिरसा मुंडा की प्रासंगिकता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि आज विकास और पर्यावरण के प्रश्नों के बीच जल, जंगल और जमीन का सवाल फिर हमारे सामने है। बिरसा हमें याद दिलाते हैं कि विकास का अर्थ किसी समुदाय को उसकी जड़ों से काट देना नहीं हो सकता। जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना हो तो उसकी संस्कृति, परंपरा, सामुदायिक जीवन और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उसके अधिकार-बोध का सम्मान भी जरूरी है। आज बिरसा मुंडा को याद करना केवल उनकी प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाना नहीं है। इसका अर्थ है-वंचित के स्वाभिमान की रक्षा करना, प्रकृति के प्रति संवेदनशील होना, शोषण के विरुद्ध आवाज उठाना और भारत के उन नायकों को इतिहास में उनका उचित स्थान देना जिन्हें लंबे समय तक हाशिए पर रखा गया। बिरसा का जीवन हमें यह भी बताता है कि महान क्रांतियां हमेशा बड़े महलों से नहीं जन्म लेतीं। कभी-कभी वे जंगल की पगडंडियों से निकलती हैं, किसी साधारण युवक की आवाज बनती हैं और देखते-देखते साम्राज्य की नींव हिला देती हैं। बिरसा मुंडा की उम्र भले ही छोटी रही, लेकिन उनका संघर्ष कालजयी हो गया। उनका शरीर जेल में समाप्त हुआ, लेकिन उनका विचार आज भी आजाद है। वे आदिवासी समाज के भगवान इसलिए बने क्योंकि उन्होंने उनके भीतर भगवान जैसी शक्ति-आत्मसम्मान, स्वाभिमान और स्वतंत्रता को जगाया। इसलिए बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उन्हें केवल इतिहास की पुस्तक का पात्र न बनाएं, बल्कि न्याय, स्वाभिमान, प्रकृति और मनुष्य की गरिमा के प्रहरी के रूप में समझें। धरती आबा की यही पुकार आज भी सुनाई देती है-अपनी जड़ों से जुड़ो, अपने अधिकार पहचानो और अन्याय के सामने कभी मत झुको।

लोकतंत्र की बुनियाद पर सवाल: उत्तर प्रदेश में सवा करोड़ मतदाताओं के नाम गायब कैसे?



अशोक भाटिया

किसी भी जीवंत लोकतंत्र की सबसे पहली और अनिवार्य शर्त यह होती है कि देश के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो और वह बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। मताधिकार केवल एक कानूनी सुविधा नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त वह सर्वोच्च शक्ति है, जिसके माध्यम से आम नागरिक अपनी सरकार चुनता है और सत्ता की जवाबदेही तय करता है। ऐसे में जब किसी राज्य की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आता है कि सवा करोड़ से लेकर एक करोड़ पैंतीस लाख तक मतदाताओं के नाम सूची से कट गए हैं या गायब हैं, तो यह विषय किसी एक वर्ग, समुदाय या राजनीतिक दल के नफा-नुकसान से कहीं ऊपर उठकर सीधे लोकतंत्र की विश्वसनीयता का प्रश्न बन जाता है। हाल के दिनों में इस मुद्दे पर जिस तरह से राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है और विभिन्न दलों ने छूटे हुए मतदाताओं के नाम वापस जुड़वाने के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही है, उसने कई बुनियादी सवालों को जन्म दिया है। आज सबसे बड़ा विमर्श यह होना चाहिए कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कटे कैसे, इस गंभीर चूक के लिए वास्तव में जिम्मेदार कौन है, क्या राजनीतिक दलों के जमीनी कार्यकर्ता इस पूरी प्रक्रिया में अपेक्षित सहयोग नहीं करते, और चुनाव से पहले इस भारी कमी की निष्पक्ष भरपाई किस प्रकार की जा सकती है।

सबसे पहले इस जटिल प्रक्रिया के तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं को समझना आवश्यक है कि एक साथ करोड़ों नाम मतदाता सूची से बाहर कैसे हो जाते हैं। विभिन्न प्रशासनिक आकलनों और चुनावी विश्लेषणों में यह बात सामने आती रही है कि कई बार राज्य की स्थानीय निकाय या पंचायत मतदाता सूची में लाखों लोगों के नाम दर्ज होते हैं, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की जाने वाली विधानसभा और लोकसभा की सूची से वे नाम नदारद रहते हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण दोनों सूचियों के तैयार होने की अलग-अलग प्रशासनिक व्यवस्था और समय-सीमा है। ग्रामीण स्तर पर पंचायत चुनावों के दौरान स्थानीय दावेदार प्रत्येक व्यक्ति का नाम जुड़वाने में पूरी ताकत झोंक देते हैं, जबकि विधानसभा सूची के पुनरीक्षण के समय वैसी स्थानीय सक्रियता देखने को नहीं मिलती। इसके अतिरिक्त, रोजगार और शिक्षा के लिए होने वाला आंतरिक पलायन भी एक प्रमुख कारक है। देश के लाखों श्रमिक और युवा आजीविका की तलाश में बड़े शहरों या अन्य राज्यों में जाते हैं। जब बूथ लेवल ऑफिसर घर-घर सत्यापन के लिए पहुंचते हैं और घर पर ताला लगा मिलता है या संबंधित व्यक्ति उपस्थित नहीं होता, तो कई बार बिना गहन पड़ताल या पड़ोसियों से पुष्टि किए ही उस नाम को स्थानांतरित या अनुपस्थित मानकर विलोपित कर दिया जाता है। शहरी क्षेत्रों में किराए के मकान बदलने, नई आवासीय कॉलोनियों के बसने, विवाह के बाद महिलाओं के पते में परिवर्तन होने और डिजिटल डेटाबेस से दोहरी प्रविष्टियां हटाने की तकनीकी प्रक्रिया में होने वाली मानवीय त्रुटियों के कारण भी बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम सूची से बाहर हो जाते हैं।

परंतु जब विलोपित नामों का आंकड़ा एक करोड़ की सीमा को पार कर जाए, तो इसे केवल पलायन या सामान्य तकनीकी प्रक्रिया मानकर पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। यहीं से जिम्मेदारी तय करने का सबसे अहम सवाल खड़ा होता है कि इतनी बड़ी चूक आखिर किसकी गलती से हुई। इस विषय पर पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलना स्वाभाविक है। कुछ राजनीतिक स्वर इसे निचले स्तर पर प्रशासनिक मशीनरी और बूथ लेवल अधिकारियों

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

की गंभीर लापरवाही का परिणाम बताते हैं, तो दूसरी ओर विपक्षी खेमे के नेता इस बात पर सवाल उठाते हैं कि जब प्रशासनिक तंत्र सरकार के अधीन ही कार्य करता है, तो इतनी बड़ी चूक कैसे संभव हुई। साथ ही, मतदाताओं के आंकड़ों को किसी विशेष सामाजिक या धार्मिक समूह के चश्मे से देखने की प्रवृत्ति पर भी प्रश्न उठाए जाते हैं, क्योंकि लोकतंत्र में हर पात्र नागरिक का वोट समान महत्व रखता है, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या क्षेत्र से संबंध रखता हो। वास्तविकता यह है कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने की प्राथमिक संवैधानिक जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग और उसके अधीन कार्य करने वाले जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और बूथ लेवल अधिकारियों की होती है। नियमों के अनुसार, किसी भी मतदाता का नाम सूची से काटने से पहले उसे विधिवत नोटिस देना, सुनवाई का अवसर प्रदान करना और भौतिक सत्यापन करना अनिवार्य है। यदि बिना इन नियमों का पालन किए थोक के भाव नाम काटे गए हैं, तो यह निस्संदेह प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली में एक गंभीर खामी है। इसके साथ ही स्वयं आम नागरिकों की उदासीनता को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता, जो ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होने पर अपना नाम जांचने की जहमत नहीं उठाते और सीधे मतदान के दिन केंद्र पर पहुंचकर नाम न होने की शिकायत करते हैं।

इस पूरी व्यवस्था में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी सभी राजनीतिक दलों के जमीनी कार्यकर्ता और उनके द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट होते हैं। यह हमारे देश की चुनावी राजनीति का एक कटु यथार्थ है कि लगभग सभी राजनीतिक दलों का संगठन चुनाव की तारीखों की घोषणा होते ही पूरी ऊर्जा के साथ सक्रिय दिखाई देता है, लेकिन मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे नीरस, तकनीकी और धैर्य मांगने वाले कार्यों के दौरान कार्यकर्ताओं की उदासीनता साफ झलकती है। निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के तहत प्रत्येक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को हर मतदान केंद्र पर अपना एक बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का अधिकार दिया गया है। इन एजेंटों का मुख्य दायित्व होता है कि वे सरकारी कर्मचारियों के साथ समन्वय बनाकर नए पात्र युवाओं के नाम जुड़वाएं, मृत या स्थानांतरित हो चुके लोगों की सही जानकारी दें और किसी भी जीवित व पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से कटने पर तत्काल आपत्ति दर्ज कराएं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश मतदान केंद्रों पर या तो राजनीतिक दलों के एजेंटों की नियुक्ति केवल कागजों तक सीमित रहती है, या फिर नियुक्त कार्यकर्ता घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने में कोई रुचि नहीं दिखाते। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता रैलियों, जनसभाओं, रोड शो और नारेबाजी में जितना उत्साह दिखाते हैं, उतना परिश्रम मतदाता सूची के पन्ने पलटने और वंचित परिवारों के दस्तावेज जुटाने में नहीं करते। यदि पुनरीक्षण अभियान के दौरान ही सभी दलों के कार्यकर्ताओं ने बिना किसी भेदभाव के अपने-अपने बूथों की ईमानदारी से निगरानी की होती, तो आज सवा करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम कटने की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होती। चुनाव नजदीक आने पर जब विभिन्न दल मतदाता जोड़ो या वोट सुरक्षा जैसे अभियानों की घोषणा करते हैं, तो यह वास्तव में उनकी अपनी ही संगठनात्मक देरी और शुरूआती चूक की भरपाई का प्रयास अधिक प्रतीत होता है। अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इतनी बड़ी प्रशासनिक और संगठनात्मक चूक की भरपाई कैसे की जाए और कम समय में लाखों पात्र नागरिकों को उनका संवैधानिक अधिकार कैसे वापस दिलाया जाए। इसके लिए किसी संकीर्ण राजनीतिक विमर्श या चुनिंदा वर्गों तक सीमित प्रयासों के बजाय एक सर्वसमावेशी, पारदर्शी और संस्थागत कार्ययोजना की आवश्यकता है। सबसे पहले निर्वाचन आयोग को चाहिए कि वह प्रत्येक मतदान केंद्र पर विलोपित किए गए सभी नामों की सूची स्पष्ट कारणों सहित सार्वजनिक रूप से चस्पा करे और उसे ऑनलाइन पोर्टल पर भी सरलता से उपलब्ध कराए, ताकि कोई भी नागरिक या सामाजिक कार्यकर्ता यह देख सके कि किस आधार पर नाम हटाया गया है। दूसरे, दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समय-सीमा को व्यावहारिक बनाते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाना चाहिए, जहां मौके पर ही दस्तावेजों का सत्यापन कर फॉर्म-6 के माध्यम से पात्र नागरिकों के नाम पुनः जोड़े जा सकें। रोजगार के लिए बाहर गए प्रवासी श्रमिकों और अठारह वर्ष की आयु पूरी कर चुके नव-युवाओं के पंजीकरण के लिए विशेष डिजिटल और ऑफलाइन सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए। इसके साथ ही, सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यकर्ताओं को यह स्पष्ट निर्देश देना चाहिए कि वे बिना किसी धर्म, जाति या राजनीतिक झुकाव का भेद किए हर पात्र नागरिक का नाम सूची में दर्ज कराने में प्रशासन का सहयोग करें। दरअसल मतदाता सूची का शुद्धिकरण और छूटे हुए नामों की बहाली किसी एक दल की जीत या हार का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने का अभियान होना चाहिए। जब किसी भी एक पात्र नागरिक का वोट कटता है, तो वह केवल एक व्यक्ति का नुकसान नहीं होता, बल्कि पूरी लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व प्रणाली अधूरी रह जाती है। इसलिए आवश्यक है कि इस गंभीर चूक से सबक लेते हुए निर्वाचन तंत्र अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करे, प्रशासन पूरी निष्पक्षता और तत्परता से कार्य करे, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर रचनात्मक सहयोग दें और आम नागरिक भी अपने मताधिकार के प्रति जागरूक बनें। इन सभी प्रयासों के सामूहिक समन्वय से ही इस बड़ी त्रुटि की वास्तविक भरपाई संभव हो सकेगी और देश के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सम्मानपूर्वक लोकतंत्र के इस सबसे पवित्र दस्तावेज में सुरक्षित रह पाएगा।

छठ : दउरे में फल नहीं, लोकजीवन का पसीना और साझी संस्कृति भी सजती है



-सुरेश गांधी

छठ को केवल व्रत, पूजा और अर्घ्य की परिधि में रखकर देखना उसके विराट सामाजिक अर्थ को छोटा कर देना होगा। यह उन विरल पर्वों में है, जिनमें किसी एक घर की चौखट पर शुरू हुई तैयारी धीरे-धीरे पूरे मोहल्ले, गांव, शहर और समाज का साझा उपक्रम बन जाती है। यहां किसी एक व्यक्ति की श्रद्धा, दूसरे के श्रम से पूरी होती है; किसी परिवार की तैयारी, पड़ोसियों के सहयोग से आगे बढ़ती है और किसी व्रती का संकल्प, असंख्य अनाम हाथों की भागीदारी से आकार लेता है। यही छठ की असली विशिष्टता है—यह पूजा के साथ-साथ समाज को जोड़ने की प्रक्रिया भी है।

इस पर्व में बाजार की चमक से अधिक महत्त्व उस मेहनत का है, जो घरों और गलियों में चुपचाप चलती रहती है। बांस की टोकरी और सूप बनाने वाला कारीगर, मिट्टी के चूल्हे और दीये तैयार करने वाला कुम्हार, खेत से फल-सब्जियां लाने वाला किसान, गन्ना और नारियल बेचने वाला छोटा दुकानदार, ठेला लगाने वाला श्रमिक—सबकी आजीविका इस पर्व से जुड़ती है। छठ का प्रसाद किसी एक बड़े प्रतिष्ठान की पैकिंग में बंद नहीं होता। उसकी सामग्री खेत, बाग, नदी किनारे के बाजार और स्थानीय कारीगरों के हाथों से होकर व्रती के घर तक पहुंचती है। इस तरह पूजा की थाली में केवल फल नहीं सजते, उसमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कुटीर शिल्प और श्रम की गरिमा भी शामिल होती है। इसका एक गहरा सामाजिक अर्थ भी है। छठ के लिए खरीदे जाने वाले सूप, दउरा, मिट्टी के बर्तन और मौसमी उपज हमें उस उत्पादन व्यवस्था की याद दिलाते हैं, जिसे अक्सर हमारी रोजमर्रा की अर्थव्यवस्था में पर्याप्त जगह नहीं मिलती। बड़े बाजारों और चमकदार दुकानों के बीच छोटे कारीगरों की दुनिया कई बार ओझल हो जाती है, लेकिन छठ आते ही उनके हुनर की जरूरत हर घर को महसूस होती है। यह पर्व बिना भाषण दिए स्थानीय उत्पाद, पारंपरिक कौशल और छोटे कारोबार के महत्त्व को रेखांकित करता है।

छठ की दूसरी बड़ी पहचान है—सहयोग की वह संस्कृति, जिसमें रिश्तों का दायरा परिवार से आगे बढ़ जाता है। किसी घर में व्रत हो तो पड़ोस का व्यक्ति घाट तक सामान पहुंचाने में हाथ बंटाता है। कोई रास्ता साफ करता है, कोई पानी की व्यवस्था देखता है, कोई भीड़ में बुजुर्गों को सहारा देता है। कई जगह युवा समूह और स्थानीय समितियां घाटों की सफाई, रोशनी, पेयजल और रास्तों को सुगम बनाने में जुटते हैं। इस सामूहिकता में यह पूछने की गुंजाइश कम रह जाती है कि कौन किस जाति, वर्ग या आर्थिक हैसियत से आता है। उस समय सबसे पहले दिखाई देता है—किसे मदद की जरूरत है और कौन मदद कर सकता है।

छठ का यह लोकाचार बराबरी का कोई औपचारिक घोषणापत्र नहीं लिखता, लेकिन व्यवहार में उसका अर्थ समझाता है। अर्घ्य की तैयारी में संपन्न और साधारण परिवारों की श्रद्धा के बीच कोई ऊंच-नीच नहीं होती। किसी के सूप में अधिक फल हों या कम, किसी के पास सजावट के साधन हों या न हों—व्रत की गरिमा का पैमाना बाजार की कीमत नहीं, मन का संकल्प है। यही कारण है कि छठ में सादगी भी उतनी ही स्वाभाविक है जितनी भव्यता। यहां आडंबर से अधिक महत्त्व नियम, संयम और निष्ठा को दिया जाता है। छठ का यह लोकाचार बराबरी का कोई औपचारिक घोषणापत्र नहीं लिखता, लेकिन व्यवहार में उसका अर्थ समझाता है। अर्घ्य की तैयारी में संपन्न और साधारण परिवारों की श्रद्धा के बीच कोई ऊंच-नीच नहीं होती। किसी के सूप में अधिक फल हों या कम, किसी के पास सजावट के साधन हों या न हों—व्रत की गरिमा का पैमाना बाजार की कीमत नहीं, मन का संकल्प है। यही कारण है कि छठ में सादगी भी उतनी ही स्वाभाविक है जितनी भव्यता। यहां आडंबर से अधिक महत्त्व नियम, संयम और निष्ठा को दिया जाता है। इस पर्व की लोक-संवेदना का सबसे सुंदर पक्ष वह है, जब कामना केवल अपने परिवार तक सीमित नहीं रहती। लोकगीतों में संतान, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की प्रार्थना के साथ दुखियों, वंचितों और असहायों के लिए भी मंगलकामना सुनाई देती है। लोक की भाषा में व्यक्त ये इच्छाएं किसी दार्शनिक ग्रंथ की तरह व्यवस्थित नहीं हैं, लेकिन उनमें जीवन का व्यापक अनुभव मौजूद है। बीमारी से जूझते व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य, अभाव से घिरे परिवार के लिए अन्न, संतान के लिए सुख और समाज के लिए कुशलता—छठ की प्रार्थना का संसार निजी आकांक्षा से बड़ा है। यही उसे केवल मनोकामना का पर्व नहीं, लोकमंगल की कामना का उत्सव बनाता है। व्रत करने वाली महिलाओं की भूमिका इस पूरे आयोजन का केंद्र है, लेकिन उनकी तपस्या को केवल त्याग या कठिन साधना कहकर छोड़ देना भी पर्याप्त नहीं। वे इस पर्व की परंपरा की वाहक होने के साथ परिवार और समुदाय को अनुशासन में जोड़ने वाली धुरी भी हैं। नहाय-खाय से खरना तक घर की पवित्रता, प्रसाद की तैयारी, नियमों का पालन और फिर घाट तक की यात्रा—हर चरण में धैर्य और व्यवस्था की जरूरत होती है। उनके साथ परिवार के सदस्य भी अपने-अपने हिस्से का दायित्व निभाते हैं। इस तरह छठ घर के भीतर श्रम के बंटवारे और पारिवारिक सहभागिता की एक अलग तस्वीर भी सामने रखता है।



किसी एक परिवार का अनुष्ठान नहीं, सामूहिक संवेदना और साझी जिम्मेदारी का जीवंत विधान है यह महापर्व. बांस के सूप से लेकर घाट की सीढ़ियों तक, हर हाथ की अपनी भूमिका; व्रती की तपस्या के साथ जुड़ता है कारीगर, किसान, दुकानदार, पड़ोसी और प्रशासन—छठ बताता है कि उत्सव तभी पूर्ण होता है, जब उसमें सबकी भागीदारी हो. छठ का सौंदर्य इसी सामूहिकता में है। इसमें कोई दर्शक भर नहीं रहता; हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में सहभागी बन सकता है। कोई व्रत करता है, कोई प्रसाद जुटाता है, कोई घाट सजाता है, कोई रास्ता बताता है, कोई जरूरतमंद को सहारा देता है। और जो कुछ भी नहीं कर पाता, वह कम से कम व्यवस्था बिगाड़ने से बच सकता है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि सुख अकेले पाने की वस्तु नहीं, मिलकर बांटने का संस्कार है।

छठ का एक और संदेश प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी से जुड़ा है। फल, गन्ना, नारियल, अदरक, हल्दी, सुथनी और मौसमी उपज से सजे प्रसाद में मौसम और मिट्टी की पहचान मौजूद रहती है। लेकिन प्रकृति के प्रति कृतज्ञता तभी सार्थक होगी, जब पूजा के बाद नदी, तालाब और घाटों को स्वच्छ रखने का दायित्व भी निभाया जाए। प्लास्टिक, थर्मोकोल और पूजा सामग्री के अव्यवस्थित निस्तारण से जलस्रोतों को नुकसान पहुंचता है। इसलिए छठ की पवित्रता केवल पूजा से पहले की सफाई में नहीं, अनुष्ठान के बाद भी घाट को स्वच्छ छोड़ने में है। श्रद्धा का प्रमाण यह भी है कि जिस जल के सामने हाथ जोड़ते हैं, उसे अपने व्यवहार से दूषित न करें।इस बार छठ की तैयारियों में यह सामूहिक जिम्मेदारी फिर दिखाई दे रही है। छठ का सौंदर्य इसी सामूहिकता में है। इसमें कोई दर्शक भर नहीं रहता; हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में सहभागी बन सकता है। कोई व्रत करता है, कोई प्रसाद जुटाता है, कोई घाट सजाता है, कोई रास्ता बताता है, कोई जरूरतमंद को सहारा देता है। और जो कुछ भी नहीं कर पाता, वह कम से कम व्यवस्था बिगाड़ने से बच सकता है। यह पर्व समाज को बताता है कि आस्था का अर्थ केवल अपने लिए मांगना नहीं, दूसरों के लिए जगह बनाना भी है. शायद इसी वजह से छठ की सबसे बड़ी उपलब्धि किसी एक अनुष्ठान की पूर्णता नहीं, बल्कि वह सामाजिक संबंध है जो इसके बहाने फिर से जीवित हो उठता है। जब एक घर का सूप दूसरे घर के आंगन से गुजरता है, जब किसी अनजान व्यक्ति के लिए घाट पर जगह बनाई जाती है, जब किसी बुजुर्ग को सहारा देने के लिए कोई हाथ आगे बढ़ता है—तब छठ पूजा की परिधि से निकलकर जीवन के व्यवहार में उतर आता है। यही इसकी सबसे बड़ी लोकशक्ति है: यह हमें याद दिलाता है कि सुख अकेले पाने की वस्तु नहीं, मिलकर बांटने का संस्कार है।

शुद्ध हवा के मोहताज बच्चे और बुजुर्ग



संजीव ठाकुर

विशेषज्ञों की मानें तो वर्तमान पर्यावरण प्रदूषण अब केवल एक पारिस्थितिक संकट नहीं, बल्कि कोरोना महामारी या किसी भी अन्य भयंकर बीमारी से कहीं अधिक खतरनाक और दीर्घकालिक अभिशाप बन चुका है। कोरोना वायरस एक सीमित समय के लिए आया था, जिसके खिलाफ अंततः चिकित्सा जगत ने टीके खोज लिए; किंतु यह वायु प्रदूषण तो एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारी आने वाली पीढ़ियों के खून और सांसों में हर पल घुल रहा है। इस जहरीली हवा के सबसे बड़े और बेकसूर शिकार हमारे बच्चे और बुजुर्ग हो रहे हैं।

बच्चे भविष्य के वे अंकुर, जिनके फेफड़े अभी से झुलस रहे हैं. यह तो मौत का वह अदृश्य साया है, बुजुर्गों, बच्चों के फेफड़ों तक उतर आया है।

एक लेखक, साहित्यकार और समाज के प्रति संवेदनशील प्रहरी के रूप में जब मैं इन महानगरों की गलियों में छोटे-छोटे बच्चों को पीठ पर भारी बस्ते लादे और मुंह पर मास्क चढ़ाए स्कूल जाते देखता हूं, तो भीतर तक सिहर उठता हूं। हम उन्हें कैसी दुनिया सौंप रहे हैं? क्या उनके लिए एक दिन ऐसा आएगा जब उन्हें शुद्ध आक्सीजन के सिलेंडर साथ लेकर चलना पड़ेगा?

यह समय केवल आंकड़ों की बाजीगरी या अखबारों में संपादकीय लिखने का नहीं है, बल्कि एकजुट होकर आपातकालीन उपाय करने का है। सरकार और प्रशासन को जी

आज देश के महानगरों की सुबह किसी सूर्योदय के साथ नहीं, बल्कि एक भारी, मटमैले और दमघोंटू कोहरे के आवरण के साथ होती है। यह कोहरा ओस की बूंदों का नहीं, बल्कि कारखानों की चिमनियों, वाहनों के अंतहीन काफिलों और पराली के धुएं से उपजे उस विशाक्त रसायन का है, जिसे विज्ञान 'स्मॉग' कहता है। स्थिति यह हो चुकी है कि महानगरों की हवा में पर्यावरण प्रदूषण और जहरीले तत्व

परिवहन विभाग की अधिकारी संस्कृति राणे के कार्यकाल की जांच के आदेश

भिवंडी। परिवहन विभाग की प्रशासनिक अधिकारी संस्कृति राणे की कथित लापरवाही और नियमविरुद्ध कार्यप्रणाली को लेकर मुख्यमंत्री सचिवालय ने जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के आदेश परिवहन आयुक्त कार्यालय, मुंबई को दिए हैं। भिवंडी मनसे महिला अध्यक्ष सौदीक्षिता वसईकर ने इस संबंध में कोकण भवन स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय कक्ष में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं होने के भ्रामक जवाब दिए जाते हैं। साथ ही कार्यालयीन कामकाज में पारदर्शिता की कमी और न्यायालयीन मामलों में समय पर शपथपत्र दाखिल नहीं करने जैसी लापरवाही बरती गई है।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि अधिकारी की कार्यप्रणाली के कारण शासन की प्रतिष्ठा प्रभावित होने के साथ कर्मचारियों के सेवाविषयक मामलों में भी देरी हो रही है। इन गंभीर मुद्दों को देखते हुए संबंधित अधिकारी के कार्यकाल का विधिक ऑडिट कराने और जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई करने की मांग की गई है।शिकायत की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री सचिवालय ने परिवहन आयुक्त कार्यालय को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। अब इस मामले में परिवहन आयुक्त कार्यालय की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की नजरें टिकी हुई हैं। इस संबंध में संबंधित अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

एनसीपी विलय की अटकलें खारिज, संजय राउत बोले शरद पवार नहीं जाएंगे दूसरे गुट में



मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के विलय की खबरों को NCP (SCP) सांसद सुप्रिया सुले द्वारा खारिज किए जाने के बाद, शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने भी कुछ ऐसा ही कहा। उन्होंने दावा किया कि असली NCP वही है जिसका नेतृत्व शरद पवार कर रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा दो NCP गुटों के बीच विलय का खेल चल रहा है। असल में, केवल एक ही असली NCP है, जिसका नेतृत्व शरद पवार करते हैं। दूसरा गुट अमित शाह की पार्टी का है। विलय का यह ड्रामा आज शाम तक खत्म हो जाएगा। राउत ने कहा कि NCP (SP) प्रमुख शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा शरद पवार और सुप्रिया सुले अमित शाह वाली NCP के साथ नहीं जाएंगे।

उन्होंने कहा कि दो अलग-अलग गुट हैं। एक गुट सत्ता में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहा है, और दूसरा गुट सत्ता में आने के लिए संघर्ष कर रहा है। दोनों गुटों के नेताओं के बीच बैठक की खबरों को खारिज करते हुए राउत ने कहा कल कोई बैठक नहीं हुई। सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल की भी कोई मुलाकात नहीं हुई। ये सभी लोग संसदीय कार्य समिति की बैठक में मौजूद हैं। पत्रकारिता की भी तारीफ करनी चाहिए। बैठक सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चलती है। क्या उस बैठक के दौरान विलय पर चर्चा होना संभव है? इससे पहले दिन में, सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि पार्टी के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच संभावित विलय को लेकर बातचीत उनके भाई और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के बाद खत्म हो गई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुले ने कहा जब तक मेरे भाई (अजीत पवार) जीवित थे, तब तक (पार्टी के दोनों गुटों के) विलय पर चर्चा होती थी। जिस दिन वे हमें छोड़कर चले गए, उसी दिन उन चचाओं पर पूर्ण विराम लग गया। 28 जनवरी को अजीत पवार का निधन हो गया, जब पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश के दौरान उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुक्रवार को, महाराष्ट्र एनसीपी अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे ने भी इन अटकलों पर पूरी तरह विराम लगा दिया। एएनआई से बात करते हुए, तटकरे ने स्पष्ट किया कि एनसीपी, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एससीपी) के साथ किसी भी तरह के विलय पर विचार नहीं कर रही है। तटकरे ने कहा हमारी पार्टी में किसी भी स्तर पर विलय को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। हाल ही में वरिष्ठ ठउठ नेता प्रफुल्ल पटेल की शरद पवार से मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर तेज हो गया। हालांकि, तटकरे ने इन चचाओं को खारिज करते हुए इसे महज एक व्यक्तिगत शिष्टाचार भेंट बताया। उन्होंने स्पष्ट किया, पवार साहब ने 60 वर्षों तक राष्ट्रीय राजनीति में योगदान दिया है। 86 वर्ष की आयु में उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा है।

महाराष्ट्र : निजी विश्वविद्यालयों को एफआरए के तहत लाने की तैयारी, नेताओं में मतभेद

मुंबई। महाराष्ट्र के स्व-वित्तपोषित निजी विश्वविद्यालयों और स्वायत्त महाविद्यालयों को शुल्क नियामक प्राधिकरण (एफआरए) के दायरे में लाने के प्रस्ताव पर बहस छिड़ गई है और इस मुद्दे पर मंत्रियों तथा नेताओं ने अलग-अलग राय व्यक्त की है। एफआरए चिकित्सा, इंजीनियरिंग, फामेसी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों समेत निजी गैर-सहायता प्राप्त व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों द्वारा लिये जाने वाले शुल्क को विनियमित करता है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने यह प्रस्ताव साझा किया।

पाटिल ने एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से कहा कि सरकार स्व-वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की शुल्क संरचना, वित्तीय स्थिति, भूमि आवंटन और अन्य विवरणों की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों को अपने कामकाज से जुड़ी जानकारी का खुलासा करते हुए हलफनामा जमा करना होगा। पाटिल ने सवाल उठाया कि क्या ऐसे विश्वविद्यालय वर्तमान में एफआरए के दायरे में आते हैं और उन्होंने अपने परिसरों के लिए जमीन कैसे हासिल की है।

इस संबंध में उन्होंने कोल्हापुर और पुणे के शैक्षणिक संस्थानों का उदाहरण दिया। मंत्री ने कांग्रेस नेता और विधान परिषद सदस्य सतेज पाटिल के परिवार के नियंत्रण वाले शैक्षणिक संस्थानों को लेकर उनपर लगाए गए आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शीशे के घरों में रहने वालों को दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए।

चांदीवली पत्रकार संघ की बैठक एवं दिवाली स्नेह भोज सफलतापूर्वक संपन्न

मुख्य अतिथि अभिजीत राणे और अनिल गलगली का मिला मार्गदर्शन



मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदीवली पत्रकार संघ की ओर से साकीनाका, मुंबई में आयोजित 'दिवाली स्नेह भोज एवं विशेष बैठक' उत्साहपूर्वक सफलता के साथ संपन्न हुई। इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन पत्रकार विवेक राय और निलेश महिले द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पत्रकार बंधुओं ने सहभागिता दर्ज कराई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों की एकता, सम्मान, सुरक्षा और विश्वसनीयता को और अधिक मजबूत करना था।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित 'वृत्त मित्र' एवं 'मुंबई मित्र' समाचार पत्र के समूह संपादक श्री अभिजीत राणे और वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रसिद्ध आरटीआई कार्यकर्ता श्री अनिल गलगली का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

संबोधन के दौरान अभिजीत राणे ने पत्रकारों के कल्याण से जुड़ी पेंशन योजना और मेडिक्लेम योजना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वे इस संघ को 'मुंबई मित्र' का परिवार मानते हैं। इस परिवार से जुड़ने के लिए उन्होंने संगठन के सलाहकार वरिष्ठ पत्रकार व अधिवक्ता अशोक तिवारी और अधिवक्ता राकेश सिंह एवं दिनेश सिंह) को विशेष रूप से बधाई दी।

यूट्यूब चैनलों की मान्यता और सामाजिक दायित्व पर अनिल गलगली के विचार: संबोधन के दौरान आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि यूट्यूब को मान्यता देने के लिए केंद्र सरकार विचार कर रही है और इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं भी लंबित हैं, जिस पर शीघ्र ही कोई बड़ा निर्णय आ सकता है। इसके साथ ही, गलगली ने पत्रकारों से अपने पेशे की गरिमा बनाए रखते हुए समाज सेवा में आगे आने का आह्वान किया।

पेंशन और मेडिक्लेम योजना की मिली जानकारी: संबोधन के दौरान अभिजीत राणे ने पत्रकारों के कल्याण से जुड़ी पेंशन योजना और मेडिक्लेम योजना के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वे इस संघ को 'मुंबई मित्र' का परिवार मानते हैं। इस परिवार से जुड़ने के लिए उन्होंने संगठन के सलाहकार वरिष्ठ पत्रकार व अधिवक्ता अशोक तिवारी और अधिवक्ता राकेश सिंह एवं दिनेश सिंह को विशेष रूप से बधाई दी।

भिवंडी मनपा में पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर किया गया अभिवादन



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर 14 नवंबर को भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका मुख्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के 29 दिसंबर 2025 के परिपत्र के अनुसार आयोजित कार्यक्रम में मनपा के भूतल स्थित सभागृह में पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर मनपा के सहायक आयुक्त एवं स्वास्थ्य विभाग प्रमुख फैजल तातली तथा समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले के हाथों प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित किया गया। कार्यक्रम में नगररचना विभाग के कार्यालय अधीक्षक अनिल जाधव, स्वास्थ्य निरीक्षक भारत अलगुंडे सहित महानगरपालिका के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह के तहत क्रांतिवीरों के स्मारकों की हुई साफ-सफाई

◆विधायक हरिश्चंद्र भोये व परियोजना अधिकारी पी.के. सिद्धार्थ रामकुमार ने स्वच्छता अभियान में लिया हिस्सा



पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह के तहत जव्हार शहर में क्रांतिवीरों के स्मारकों की विशेष स्वच्छता मुहिम चलाई गई। इस अभियान के माध्यम से आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास को याद करने के साथ ही ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण व सार्वजनिक स्वच्छता का संदेश दिया गया।

महाराष्ट्र शासन के आदिवासी विकास विभाग की ओर से 11 से 18 नवंबर 2026 तक जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 14 नवंबर को जव्हार शहर के राजे यशवंतराव मुकणे चौक, तारपा चौक, हुतात्मा चौक, महात्मा गांधी चौक, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक और आदिवासी क्रांतिवीर चौक स्थित स्मारकों एवं उनके आसपास के परिसरों की साफ-सफाई की गई। इस स्वच्छता अभियान में विधायक हरिश्चंद्र भोये तथा परियोजना अधिकारी एवं सहायक जिलाधिकारी पी.के. सिद्धार्थ रामकुमार ने हिस्सा लिया। उनके साथ सहायक परियोजना अधिकारी मच्छिंद्र गडाख, नायब तहसीलदार कामडी, पेसा प्रबंधक मनोज कामडी सहित एकात्मिक आदिवासी विकास परियोजना कार्यालय, तहसील कार्यालय, पंचायत समिति और जव्हार नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर स्थित क्रांतिवीरों के स्मारकों की सफाई कर उनके ऐतिहासिक योगदान को नमन किया गया। सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखना, ऐतिहासिक स्मारकों के महत्व के प्रति नागरिकों में जागरूकता पैदा करना और नई पीढ़ी को आदिवासी समाज के संघर्षपूर्ण इतिहास से परिचित कराना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य रहा।ज्ञात हो कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया था। उनका जीवन और बलिदान आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, ऐतिहासिक योगदान और अस्मिता को सम्मान देने के साथ ही समाज के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जनजागृति संबंधी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

मेट्रो सिटी हॉस्पिटल में गोवर्धन पूजा एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास से संपन्न



कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व स्थित श्री मलंग रोड, काका ढाबा गणेश चौक के पास मेट्रो सिटी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में गोवर्धन पूजा एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में यादव समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर सामाजिक एकता और भाईचारे का परिचय दिया। समारोह का आयोजन मेट्रो सिटी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के संस्थापक राजेंद्र सिंह यादव के मार्गदर्शन एवं शिवसागर यादव की अगुवाई में किया गया। इस अवसर पर गोवर्धन पूजा के साथ सामाजिक सौहार्द और आपसी मेलजोल का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत संस्थापक राजेंद्र सिंह यादव ने शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एडवोकेट आर.बी. यादव, रमेश यादव, महेंद्र यादव (केशव), रामनाथ यादव, धनंजय यादव, दुर्गाप्रसाद यादव, रामदुलारे यादव, चंद्रभान कुशवाहा, गुलाब यादव, अनिल प्रजापति, अनिल यादव सहित यादव समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के दौरान सभी ने एक-दूसरे को दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम ने समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और एकजुटता को मजबूत करने का संदेश दिया।

सिंचाई और जल संरक्षण विभाग की श्वेतपत्रिका जारी करे सरकार: मनसे नेता मनोज चव्हाण की मांग

◆सूखे के संकट के लिए सरकारी नियोजन भी जिम्मेदार; पिछले दस वर्षों के कार्यों का हिसाब जनता के सामने रखने की मांग



मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में सूखे का संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में नागरिकों से पानी का कम इस्तेमाल करने की अपील करने के बजाय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सिंचाई और जल संरक्षण विभाग की श्वेतपत्रिका जारी करनी चाहिए। पिछले आठ से दस वर्षों में जल संकट कम करने के लिए इन विभागों ने कौन-कौन से उपाय किए, इसका विस्तृत ब्योरा जनता के सामने रखा जाना चाहिए। यह मांग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के महासचिव एवं कामगार नेता मनोज चव्हाण ने की है।

चव्हाण ने कहा कि पूरा महाराष्ट्र इस समय सूखे की दहलीज पर खड़ा है। एल नीनो के प्रभाव के कारण आने वाले समय में स्थिति और गंभीर होने की आशंका है। इस वर्ष राज्य में कम बारिश होने के कारण कोंकण जैसे क्षेत्रों में भी जनवरी से ही टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति करने की नौबत आ सकती है। मराठवाड़ा में स्थिति और भी भयावह होने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में तो अभी से पानी की आपूर्ति शुरू करनी पड़ रही है। ऐसे में इस संकट के लिए जिम्मेदार कौन है और सरकार ने इससे निपटने के लिए क्या तैयारी की थी, यह सवाल उठना स्वाभाविक है।

सरकार पर निशाना साधते हुए मनोज चव्हाण ने कहा कि इस स्थिति के लिए सरकारी नियोजन की कमी भी जिम्मेदार है। पहले जब अत्यधिक बारिश हुई, तब भी वर्षा जल के उचित संचयन और प्रबंधन पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। अब समाचार पत्रों में 'पानी रोको, पानी जमीन में उतारो' अभियान शुरू करने की चर्चा सामने आ रही है। उन्होंने सवाल किया कि सिंचाई विभाग अब तक क्या कर रहा था? पिछले दस-पंद्रह वर्षों से देश में इस तरह की प्राकृतिक चुनौतियां सामने आ रही हैं, तो जल संरक्षण विभाग ने अपनी जिम्मेदारी किस तरह निभाई?

उन्होंने कहा कि जल संकट की आशंका पहले से होने के बावजूद संबंधित विभागों को समय रहते आवश्यक उपाय करने चाहिए थे। क्या अधिकारी और सरकारी तंत्र केवल हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहे? 'पानी रोको, पानी जमीन में उतारो' योजना के तहत निचले इलाकों में जल संचयन के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपाय किए जा सकते थे। इसके लिए लगभग आठ बाई पांच फीट आकार और छह फीट गहरे गड्ढे बनाकर पानी जमा करने जैसी व्यवस्था भी की जा सकती थी। लेकिन सरकार की ओर से इस दिशा में अपेक्षित गंभीरता और इच्छाशक्ति दिखाई नहीं दे रही है।

चव्हाण ने कहा कि पानी बचाने की जिम्मेदारी नागरिकों और समाज की भी है, लेकिन जल संकट को कम करने की मुख्य जिम्मेदारी सरकार की है। इसलिए केवल सूखे की स्थिति बताकर लोगों से पानी कम इस्तेमाल करने की अपील करना पर्याप्त नहीं है। मुख्यमंत्री को सिंचाई और जल संरक्षण विभाग की श्वेतपत्रिका जारी कर पिछले आठ से दस वर्षों में किए गए कार्यों और जल संकट से निपटने के लिए बनाई गई योजनाओं का पूरा ब्योरा जनता के सामने रखना चाहिए। यह तीखा सवाल मनसे महासचिव मनोज चव्हाण ने उठाया।

नागरी संरक्षण दल पालघर विभाग के मानसेवी निदेशक पद पर डॉ. रविंद्र मिश्रा की नियुक्ति



पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के गृह विभाग के अंतर्गत कार्यरत नागरी संरक्षण दल के पालघर विभाग में डॉ. रविंद्र मिश्रा को मानसेवी निदेशक (ट्रेनर) पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग के पालघर जिला उप नियंत्रक के.आर. कुरकुटे ने उन पर विश्वास जताते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ. मिश्रा ने नागरी संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित बेसिक, एडवांस वार्डन, निदेशक प्रशिक्षण तथा इंसिडेंट कमांड सिस्टम का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वे जिले के पालघर विभाग में आपदा प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, जनजागरूकता और स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेंगे। इस नियुक्ति पर डॉ. मिश्रा ने उप नियंत्रक के.आर. कुरकुटे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। उनकी इस नियुक्ति पर उनके अनेक शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं दी हैं।

भिवंडी में भव्य किला और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन, प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित



भिवंडी(उत्तरशक्ति)। दीपावली के अवसर पर कांग्रेस ठाणे जिला ग्रामीण के महासचिव पंकज गायकवाड की पहल पर संघरक्षित संघ की ओर से भिवंडी में भव्य किला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें शहरभर से किला प्रतियोगिता में 350 ग्रुप और रंगोली प्रतियोगिता में 270 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

किला प्रतियोगिता में चयनित 125 किलों के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इसमें कोंबडपाड़ा के भैरव कृपा मित्र मंडल ने प्रथम स्थान हासिल कर 5 हजार रुपये नकद, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

शेलार की भूमि पाटिल को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 3 हजार रुपये तथा खोणी के दोस्ती ग्रुप को तृतीय पुरस्कार के रूप में 2 हजार रुपये और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं, रंगोली प्रतियोगिता में स्नेहा संजय कुलकर्णी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें सोने की नथ, स्मृतिचिह्न, प्रमाणपत्र और साड़ी देकर सम्मानित किया गया। मनालीबा वारे को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 3 हजार रुपये तथा प्राची चवडेकर को तृतीय पुरस्कार के रूप में 2 हजार रुपये प्रदान किए गए। इसके अलावा रंगोली प्रतियोगिता की 200 महिला प्रतिभागियों का विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर ठाणे जिला परिषद की पूर्व सदस्य विजया अशोक गायकवाड, करुणा पंकज गायकवाड, बारह बलुतेदार संगठन के अध्यक्ष अरुण जाधव, शिवसेना पदाधिकारी नईम खान सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कैलास भोईर, वीरेन गुप्ता, प्रशांत जाधव, रोहन जाधव और विजय संघारे ने विशेष मेहनत की।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रयागराज मे थप्पड़ मारने पर पत्नी ने पत्थर से कूंचकर कर दी पति की हत्या

तीन महीने पहले की थी लव मैरिज, विवाद के बाद पति के सिर पर किए तीन वार; शव के पास बैठकर रोती रही महिला

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। यमुनापार के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। कहासुनी के दौरान पति द्वारा थप्पड़ मारे जाने से नाराज पत्नी ने पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के दौरान महिला ने पति के सिर पर महज 10 सेकेंड के भीतर तीन बार पत्थर से प्रहार किया,जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।हत्या के बाद महिला पति के शव के पास बैठकर रोती रही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।

जौनपुर के लाल उत्कर्ष कुमार नाग का कप्फड में वैज्ञानिक पद पर चयन, देशभर में हासिल की तीसरी रैंक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के होनहार युवा उत्कर्ष कुमार नाग ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) में वैज्ञानिक के प्रतिष्ठित पद पर हुआ है। उन्होंने इस चयन प्रक्रिया में पूरे देश में तीसरी रैंक (ऑल इंडिया रैंक-3) प्राप्त कर जौनपुर जनपद का नाम रोशन किया है। उत्कर्ष कुमार नाग जौनपुर के निवासी हैं। उनके पिता श्री मनोज चौरसिया नगर पालिका में लिपिक के पद पर कार्यरत रहे हैं और अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उत्कर्ष ने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT), प्रयागराज से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बीटेक की शिक्षा प्राप्त की है। उत्कर्ष की इस शानदार सफलता से परिवार, रिश्तेदारों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। उनकी उपलब्धि पर परिजनों, शुभचिंतकों और गणमान्य लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उत्कर्ष कुमार नाग की यह सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे जौनपुर जनपद के लिए गर्व का विषय है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मेहनत एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी।

शिवब्रत सिंह चिल्ड्रेन एकेडमी में 'एलिगेंस 3.0' कला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिवब्रत सिंह चिल्ड्रेन एकेडमी में 14 नवंबर 2026 को वार्षिक कला प्रदर्शनी ह्यएलिगेंस 3.0ह्ल का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अंकुर वर्मा, उपजिलाधिकारी, शाहगंज तथा विशिष्ट अतिथि शशि प्रकाश सिंह, प्रबंधक, श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई विभिन्न कलाकृतियों, चित्रों और भारतीय पारंपरिक कला शैलियों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता, मेहनत और कलात्मक कौशल ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का ध्यान आकर्षित किया।

मुख्य अतिथि अंकुर वर्मा ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कला केवल सुंदर चित्र बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के व्यक्तित्व विकास,


मुख्य अतिथि अंकुर वर्मा, एसडीएम शाहगंज एवं विशिष्ट अतिथि शशि प्रकाश सिंह द्वारा फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया।


अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का मंगलारंभ किया गया।

विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा ने मोहा अतिथियों का मन

एकाग्रता और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा देती है।

विशिष्ट अतिथि शशि प्रकाश सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कला बच्चों को मोबाइल और अन्य अनावश्यक डिजिटल गतिविधियों से होने वाले ध्यान भटकाव से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कला के माध्यम से बच्चे अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाना, धैर्य रखना और अपनी भावनाओं को रचनात्मक रूप से व्यक्त करना सीखते हैं।


अतिथियों ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों का अवलोकन कर उनकी रचनात्मकता एवं प्रतिभा की सराहना की।

विद्यालय के निदेशक शशांक सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व और शिक्षा के साथ रचनात्मक गतिविधियों को समान महत्व देने की सोच ने इस आयोजन को एक विशेष पहचान प्रदान की। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित न रखकर उनकी छिपी प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आत्मविश्वासी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य रुद्र प्रताप सिंह ने भी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, नई चीजें सीखने तथा भारतीय कला एवं संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और अतिथियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। 'एलिगेंस 3.0' ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी रचनात्मकता और प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना भी है।

शिवब्रत सिंह चिल्ड्रेन एकेडमी का यह आयोजन कला, संस्कृति और रचनात्मक शिक्षा के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता का सुंदर उदाहरण बना।

यूथ पार्लियामेंट 2027 में पीयू के अभिनव कीर्ति को मिला द्वितीय स्थान

कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने दी बधाई, अब राज्य स्तरीय युवा संसद में करेंगे प्रतिभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के 'मेरा युवा भारत' (MY Bharat), जौनपुर के तत्वावधान में तिलकधारी महाविद्यालय (टीडी कॉलेज) में 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2027' के तहत जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कड़े मुकाबले के बीच वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र अभिनव कीर्ति पाण्डेय ने अपने उत्कृष्ट वक्तव्य के दम पर जनपद में द्वितीय स्थान हासिल किया। इस गौरवमयी उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।



अभिनव कीर्ति पाण्डेय अब उत्तर प्रदेश विधानसभा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय यूथ पार्लियामेंट में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न युवाओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने ओजस्वी विचार प्रस्तुत किए। समापन अवसर पर सफल प्रतिभागियों को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय में प्रो. मानस पांडेय, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. दिव्येंदु मिश्र एवं डॉ. प्रशांत यादव ने अभिनव को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। 'माय भारत' जौनपुर के उप निदेशक पुनीत गोयल ने भी प्रतिभागियों के प्रयास की सराहना की। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में पूर्व विधायक श्रीमती सुषमा पटेल, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, श्री प्रकाश चंद्र यादव, श्रीमती विजयलक्ष्मी एवं डॉ. माया सिंह शामिल रहीं। कार्यक्रम का संचालन वालंटियर सुमित सिंह ने किया।आयोजन को सफल बनाने में शिवांगी, कौशल, उत्कर्ष तिवारी, अर्पित यादव, तनु सिंह, स्नेहा मिश्रा, कृष्ण प्रजापति, अनूप मौर्य, शुभम प्रजापति, अर्चि वर्मा, अकाउंटेंट विशाल सिंह व बृजेश यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

थाना दिवस पर डीएम-एसएसपी ने जलालपुर थाने में सुनीं फरियादें

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं एसएसपी डॉ. यशवीर सिंह ने थाना दिवस पर जलालपुर थाने पहुंचकर



फरियादियों की शिकायतें सुनीं। अधिकारियों ने भूमि विवादों का राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम से मौके पर निरीक्षण कराकर निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। वहीं एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को संवेदनशीलता और निष्पक्षता से शिकायतों का निस्तारण करने को कहा। अधिकारियों ने छठ पर्व के मद्देनजर घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, यातायात एवं भीड़ प्रबंधन के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

प्राथमिक विद्यालय रनापुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सिरौली ग्रामसभा स्थित प्राथमिक विद्यालय रनापुर में शनिवार को बाल दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बाल दिवस के महत्व के बारे में बताया गया तथा देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन और बच्चों के प्रति उनके स्नेह एवं प्रेम के बारे में जानकारी दी गई। शिक्षकों ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन में रहने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय परिसर में बाल दिवस को लेकर उत्साह का माहौल रहा।



मां झिनका फाउंडेशन ने किया बीजेपी विधायक रमेश चंद्र मिश्रा का सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था मां झिनका फाउंडेशन द्वारा आज बदलापुर के लोकप्रिय भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्रा का बदलापुर स्थित उनके आवास श्री कमलम पर सम्मान किया गया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष तथा उल्हासनगर के पूर्व जिला उपाध्यक्ष दिनेश हरिलाल अग्रहरि ने धार्मिक अंग वस्त्र से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, बीजेपी बूथ अध्यक्ष राजेश प्रजापति तथा युवा समाजसेवी पंकज पांडे उपस्थित रहे। श्री अग्रहरि ने कहा कि बदलापुर विधानसभा के विकास में विधायक रमेश चंद्र मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान है। उनके सराहनीय कामों को देखते हुए संस्था द्वारा आज उनका सम्मान किया गया। विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने संस्था द्वारा सम्मान की जाने पर श्री अग्रहरि को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति अपनी जवाबदही को वे पूरी समर्पित भावना के साथ पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।



पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारियों की हुई समीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आगामी विषम सेमेस्टर परीक्षाओं को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर शनिवार को परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने समर्थ टीम के साथ बैठक कर परीक्षा संबंधी तैयारियों एवं कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक के दौरान परीक्षा नियंत्रक ने समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित परीक्षा संबंधी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा आवेदन पत्रों के निस्तारण, परीक्षा केंद्रों के आवंटन, प्रवेश पत्र जारी करने तथा परीक्षा संचालन से जुड़ी अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित सदस्यों से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के निर्देश दिए।

परीक्षा नियंत्रक ने समर्थ टीम के साथ की बैठक, परीक्षा केंद्र आवंटन एवं प्रवेश पत्र जारी करने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के दिए निर्देश

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि आगामी विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 20 नवंबर 2026 से प्रारंभ होनी हैं। ऐसे में परीक्षा से संबंधित सभी तैयारियों को समय रहते पूरा करना आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से परीक्षा केंद्र आवंटन एवं विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र जारी करने की प्रक्रिया को अतिशीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया, ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा से पहले किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

परीक्षा नियंत्रक ने समर्थ टीम को निर्देशित किया कि सभी कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए प्रगति से अवगत कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में परीक्षाओं का संचालन व्यवस्थित ढंग से कराने के लिए प्रत्येक स्तर पर आवश्यक समन्वय बनाए रखा जाए।

इस अवसर पर समर्थ टीम के सदस्य डॉ. सत्यम कुमार उपाध्याय, अशोक कुमार यादव, दिलीप कुमार यादव, डॉ. अखिलेश कुमार विश्वकर्मा, डॉ. रामांशु पी. सिंह, डॉ. विशाल, डॉ. नितिन, शीलनिधि सिंह एवं सूर्य प्रकाश पाल उपस्थित रहे।

दुद्धी में एएसपी नक्सल ने किया प्राचीन शिवाजी तालाब छठ घाट का निरीक्षण

सुरक्षा के कड़े इंतजाम और तैराकों की तैनाती के निर्देश

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। छठ महापर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। इसी क्रम में बीती रात करीब 7:30 बजे अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल ने कस्बा स्थित प्राचीन शिवाजी तालाब छठ घाट का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने घाटों पर समुचित साफ-सफाई और तालाब के चारों ओर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने तालाब में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने, नाव (नौका) की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्नान के दौरान किसी भी अनहोनी या डूबने की घटना को रोकने के लिए अनुभवी तैराकों की तैनाती करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों



को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि पर्व की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस निरीक्षण के दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) विनय प्रभाकर साहनी,कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप,कस्बा इंचार्ज संजय सिंह, महिला थाना अध्यक्ष संतु सरोज , जय बजरंग अखाड़ा समिति के अध्यक्ष पंकज जायसवाल, सचिव दीपक शाह, रामलीला कमेटी के अध्यक्ष कन्हैया अग्रहरि, सचिव सुरेंद्र गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक व भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पुलिस ने करोड़ो रुपए के ऑनलाइन लूडो सट्टा का किया पदार्फाश, तीन गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कमिश्नरेट वाराणसी की साइबर क्राइम सेल और थाना सारनाथ की संयुक्त टीम ने एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है।

यह गिरोह प्रतिबंधित ऑनलाइन लूडो सट्टा/बेटिंग के जरिये आम जनता से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार मोबाइल फोन और सात बैंक खाते बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में सारनाथ अकथा शिव विहार कॉलोनी निवासी सागर सेठ, मंगल कुमार और सुदीप कश्यप शामिल हैं। एसीपी साइबर अपूर्व पांडेय ने बताया कि इस गिरोह ने देश के नौ विभिन्न राज्यों के लोगों को निशाना बनाया। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, राजस्थान और गुजरात शामिल हैं। इन राज्यों से कुल 19 शिकायतें दर्ज पाई गईं। आरोपियों ने कुल 8,14,63,918.94 रुपये की धोखाधड़ी की है। उनके सात बैंक खातों में शेष 1,46,828.98 रुपये को फ्रीज/होल्ड कराया जा रहा है। यह गिरोह टेलीग्राम एप पर न्यू लूडो परिवार नाम से एक ग्रुप बनाकर लोगों को जोड़ता था। वे पीड़ितों को कम समय में दोगुना मुनाफा कमाने का लालच देते थे। इसके बाद, वे उन्हें प्रतिबंधित ऑनलाइन लूडो गेम में पैसा लगाने के लिए प्रेरित करते थे। यह एक सुनियोजित तरीके से लोगों को फंसाने का जाल था। खिलाड़ियों द्वारा दी गई धनराशि यूपीआई के माध्यम से सीधे आरोपियों के बैंक खातों में मंगाई जाती थी। आरोपी इस धनराशि से अवैध कमीशन काट लेते थे। शेष राशि का भुगतान वे खिलाड़ियों को करते थे, जिससे उन्हें लगता था कि उन्हें मुनाफा हो रहा था। इस अंतरराज्यीय गिरोह ने बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

कांग्रेसियों ने मनाई पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती

आधुनिक भारत के निर्माता थे पंडित नेहरू: डॉ.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि पंडित नेहरू दूरदर्शी सोच के नेता और आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। उनके नेतृत्व में देश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए। उनके विचार और सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं।



शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, बिजली उत्पादन, रेल नेटवर्क, बांधों, आईआईटी और एम्स जैसी संस्थाओं के विकास में नेहरू जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम में जिला सचिव इरशाद खान, राजीव निषाद, इकबाल हुसैन सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आजमगढ़ पब्लिक स्कूल, फरासटोला में हर्षोल्लास के साथ मना बाल दिवस

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। नगर के आजमगढ़ पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्य व प्रबंधक मुशीर अहमद की अध्यक्षता में बाल दिवस का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। ?इसके बाद, बच्चों में खुशियाँ बाँटने और उन्हें स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विद्यालय प्रबंधन द्वारा मिष्ठान एवं पारितोषिक का वितरण किया गया। बाल दिवस के अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों और गेम्स के स्टॉल लगाए। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ अपनी कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधन और मुख्य अतिथि ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर न केवल व्यंजनों का स्वाद चखा, बल्कि गेम्स भी खेले और छात्राओं के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि काजी रियाजुल हसन कांग्रेस शहर अध्यक्ष ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनकी प्रतिभा को निखारना और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रधानाचार्या ने कहा कि बाल दिवस बच्चों की प्रतिभा, उमंग और सपनों को सम्मान देने का अवसर है। विद्यालय सदैव ऐसे आयोजनों के माध्यम से छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं उनकी रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम का समापन बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और विद्यालय परिसर में उल्लास के साथ हुआ।



संजय श्रीवास्तव बने प्रधान पुजारी,धूम धाम से हो रहा प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन

विंधमगज/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। आस्था, समर्पण और जनसहयोग की अनूठी मिसाल बनकर तैयार हुए महुली-फुलवार स्थित मलिया नदी छठ घाट के नवनिर्मित सूर्य मंदिर में शुक्रवार को प्राण प्रतिष्ठा का भव्य धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुआ। महुली ग्राम प्रधान अरविंद जायसवाल व छठ पूजा समिति के अथक प्रयास और क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से निर्मित इस मंदिर में शुक्रवार शाम चार बजे भगवान भास्कर एवं शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा के लिए वैदिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना प्रारंभ हुई और आज दूसरा दिन भी जारी है। इस पावन धार्मिक अनुष्ठान में फुलवार के वरिष्ठ समाजसेवी संजय श्रीवास्तव अपनी धर्मपत्नी प्रियंका श्रीवास्तव के साथ यजमान के रूप में शामिल हुए।

अयोध्या उत्तर प्रदेश धाम से पधारे विद्वान आचार्य तेजभान त्रिपाठी एवं अमन शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ कराया गया। आचार्यों के मुखारविंद से निकले वेद मंत्रों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर वातावरण में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना में सहभागिता की। शुक्रवार को शुरू हुआ प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान आज शनिवार को भी धूम धाम से जारी है।आज विधि-विधान के साथ भगवान सूर्यदेव की प्रतिमा एवं भगवान शिव के शिवलिंग की

अयोध्या के आचार्यों के मंत्रोच्चार से भक्तिमय हुआ पूरा परिक्षेत्र

स्थापना की जाएगी।

इस भव्य सूर्य मंदिर के निर्माण की परिकल्पना को साकार करने में ग्राम प्रधान अरविंद जायसवाल सहित छठ पूजा समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सभी के निरंतर प्रयास और समर्पण से मलिया नदी के तट पर छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के लिए एक सुंदर धार्मिक स्थल तैयार हुआ है। मंदिर में सहयोग की काफी सराहनीय रही। दुद्धी विधानसभा प्रभारी संजय सिंह धुर्वे ने भगवान भास्कर की प्रतिमा भेंट की, जबकि दुद्धी ब्लॉक प्रमुख रंजना चौधरी ने शिवलिंग प्रदान किया। वहीं वरिष्ठ समाजसेवी संजय श्रीवास्तव ने मंदिर परिसर में टाइल्स लगवाने के साथ मंदिर के लिए घंटा भी भेंट किया। क्षेत्र के अन्य सम्मानित लोगों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया, जिससे यह धार्मिक कार्य जनसहयोग की मिसाल बन गया।

इधर, छठ महापर्व को लेकर छठ पूजा सेवा समिति महुली फुलवार के अध्यक्ष कमलेश कुमार कन्नौजिया के नेतृत्व में पूरी टीम मलिया नदी छठ घाट को भव्य अंतिम रूप देने में दिन-रात जुटी हुई है। घाट तक पहुंचने वाले मार्ग की आकर्षक सजावट, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और घाट को सुसज्जित करने का कार्य अंतिम चरण में है। सूर्य मंदिर में भगवान भास्कर की स्थापना और छठ महापर्व की तैयारियों से महुली-फुलवार सहित आसपास के गांवों में विशेष उत्साह और धार्मिक उल्लास का माहौल है।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान फुलवार दिनेश यादव वीरेंद्र चौधरी वीरेंद्र कुमार कन्नौजिया, विजेंद्र कन्नौजिया, श्याम बिहारी कन्नौजिया, राजनाथ गोस्वामी, राकेश गुप्ता मुलायम यादव अमित कुमार रंजीत कुमार बबलू कुशवहा विवेक कुमार सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ मनाया बाल दिवस, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखी प्रतिभा



बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील क्षेत्र के कुशहा घनश्यामपुर स्थित श्री समर्थी राजाराम दिव्यांग एवं बालिका शिक्षण संस्थान में शुक्रवार को बाल दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के दिव्यांग बच्चों ने पूरे उमंग के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। विद्यालय परिसर में बच्चों की खुशियों और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है। नेहरू जी को बच्चों से विशेष लगाव था, इसलिए बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे।

उन्होंने कहा कि बाल दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के प्रति समाज को जागरूक करने का अवसर भी है। प्रत्येक बच्चे को समान अवसर और बेहतर शिक्षा मिलनी चाहिए, ताकि वह अपनी प्रतिभा और क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ सके। इस अवसर पर वीरेंद्र यादव, सुनील यादव, श्रीकांत यादव, विष्णुकांत तिवारी, अमर सिंह, अंकित रजक, रंजू सिंह, मोनिका वर्मा, लवी सिंह, तनु सिंह, डाली सहित विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

नरायनपुर प्राथमिक विद्यालय में चोरों ने कमरों का चटकाया ताला

चोर विद्यालय से इनवर्टर, बैटरी,गैस सिलेंडर सहित राशन सामग्री पर फेरा हाथ

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के नरायनपुर ग्राम में स्थित प्राथमिक विद्यालय में बीती रात अज्ञात हौसला बुलंद चोरों ने विद्यालय के कमरों का ताला तोड़कर कमरे में रखे इनवर्टर, बैटरी,गैस सिलेंडर,दाल,तेल व मिडडे मील समेत आदि खाद्य सामग्री पर हाथ फेर चम्पत हो गए।विद्यालय पहुंचने पर चोरी की घटना की जानकारी हुई,प्रधानाध्यापक अनुपम सिंह कोतवाली पहुंच लिखित प्रार्थना पत्र देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की।साथ ही पुलिस से चोरी हुई सामान की बरामदगी तथा चोरों की गिरफ्तारी कर उचित कार्रवाई करने की अपील की है।वही पुलिस घटना की जानकारी होने पर मौके ए वरदात का मुआवना कर छानवीन में जुट गई।

बहुर-कबेली के बीच पीली नदी पर बनेगा पुल, 6.34 करोड़ रुपये होंगे खर्च



बदलापुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में बहुर और कबेली गांव के मध्य पीली नदी पर पुल निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग आखिरकार पूरी होने जा रही है। विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने पुल निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। इस सेतु का निर्माण 6 करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा।शनिवार को शाम करीब 4 बजे विधायक ने कहा कि पुल निर्माण की मांग लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही थी। इसके पूरा होने से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण परियोजना की स्वीकृति प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया। पुल बनने से नदी के दोनों ओर स्थित गांवों के लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलने की उम्मीद है। साथ ही, स्थानीय लोगों को दैनिक कार्यों और अन्य जरूरतों के लिए आने-जाने में सुविधा होगी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सिकंदर मौर्य, सिद्धार्थ सिंह, शनि शुक्ला, अमित चौहान, राज बहादुर चौहान, सभापति तिवारी, श्याम नारायण तिवारी, मृगेंद्र सिंह शिवबाबा, सुनील तिवारी, ओंकार नाथ मिश्र, राकेश तिवारी और सुभाष यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लॉयल वंडर स्कूल में बाल दिवस के अवसर पर सजी व्यंजनों की महफिल, झूलों और पकवानों का बच्चों ने उठाया भरपूर लुत्फ!



अरशद अली

मछलीशहर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर बाल दिवस (ड्रँ'शिल्ल'२ ऊंट) के अवसर पर लॉयल वंडर स्कूल (छङ्क८' हङ्कल्लीि१ रूँङ्कङ्क') परिसर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी एक भव्य 'फूड फेस्टिवल' एवं बाल मेले का आयोजन किया गया। शनिवार, 14 नवंबर 2026 को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक चले इस कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों का उत्साह और उमंग देखते ही बन रहा था।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मछलीशहर की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने फीता काटकर फूड फेस्टिवल का शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों पर जाकर बच्चों द्वारा तैयार किए गए पकवानों देखा। इसके पहले उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता और स्कूल प्रबंधन के इस प्रयास की जमकर सराहना की। फूड फेस्टिवल में बच्चों और अभिभावकों के लिए लजीज व पारंपरिक व्यंजनों के कई आकर्षक स्टॉल लगाए गए थे। स्वाद के साथ-साथ बच्चों के भरपूर मनोरंजन के लिए परिसर में तरह-तरह के झूले भी लगाए गए थे, जिनका बच्चों ने जमकर आनंद उठाया। इस अवसर पर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी सैकड़ों की संख्या में अभिभावक व क्षेत्रवासी बच्चों का उत्साहवर्धन करने पहुंचे कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा यादव और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज यादव उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। स्कूल के डायरेक्टर एजाज खान, प्रिंसिपल चित्रा रवि और को-ऑर्डिनेटर शादाब अहमद ने समस्त स्टाफ व विद्यार्थियों के साथ मिलकर सभी आए हुए मेहमानों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में सभासद डॉ. हस्सान, सभासद मुन्ना भाई, सैफुल इस्लाम एडवोकेट, सूर्यभानू यादव, राकेश यादव, पत्रकार अनिल पांडेय, रंजीत कुमार, शोहरत अली सहित नगर के कई सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन ने बच्चों संग मनाया बाल दिवस

-मनोज राय



मुंबई(उत्तरशक्ति)। बाल दिवस के अवसर पर चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन एवं अमेरिका के न्यू जर्सी निवासी अनुराग जैन के संयुक्त तत्वावधान में कांदिवली पूर्व स्थित म्हाडा कॉलोनी में बच्चों के साथ बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर फाउंडेशन की ओर से आयोजित मस्ती की पाठशाला में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ जीवन में नैतिक मूल्यों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों को ह्यस्वस्थ जीवन, सुखी जीवन का संदेश देते हुए योग, संतुलित एवं पौष्टिक खानपान के महत्व से भी अवगत कराया गया। इसके साथ ही बच्चों को मोबाइल फोन का कम से कम इस्तेमाल करने और पढ़ाई एवं खेलकूद पर अधिक ध्यान देने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में शामिल 25 बच्चों को शैक्षणिक सामग्री के साथ चिप्स, फ्रूटी और चॉकलेट वितरित की गई। करीब दो घंटे तक चले इस आयोजन में बच्चों का उत्साह और उल्लास देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम को सफल बनाने में म्हाडा कॉलोनी की लोकप्रिय भारती टीचर के साथ कुशाग्र, उत्कर्ष और आकर्ष ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज राय ने एनजीओ के संरक्षक अनुराग जैन का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अनुराग जैन के निरंतर सहयोग से संस्था बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े कार्यों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा पा रही है। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कारों को समर्पित यह आयोजन बाल दिवस की खुशियों को यादगार बनाने के साथ-साथ समाज के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का भी संदेश दे गया।

वरुणा की लहरों पर उतरेंगी आस्था की किरणें, शास्त्री घाट पर मंत्री ने परखी तैयारियां

सुरेश गांधी



वाराणसी। लोक आस्था के महापर्व छठ पर श्रद्धा की डुबकी लगाने वाले व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने शनिवार को कचहरी स्थित शास्त्री घाट पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। खास बात यह रही कि उन्होंने केवल घाटों से व्यवस्थाओं का निरीक्षण नहीं किया, बल्कि वरुणा नदी में सफाई कार्य में लगी मशीन पर सवार होकर नदी के भीतर तक पहुंचकर सफाई व्यवस्था और सुरक्षा के इंतजामों को परखा। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि छठ पूजा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा नहीं होनी चाहिए। घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, आवागमन, बैरिकेडिंग और नदी में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम समय से पूरे किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से व्रती महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और नदी के भीतर आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था और जनविश्वास से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में उनकी सुविधा और सुरक्षा सरकार एवं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नदी की स्वच्छता बनाए रखने के साथ घाटों पर होने वाली व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी भी जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से सभी तैयारियां पूरी करने को कहा, ताकि व्रती महिलाओं को पूजा और अर्घ्य देने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंत्री ने निर्देश दिया कि छठ पूजा के दौरान व्यवस्थाएं केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर भी दुरुस्त दिखनी चाहिए। सफाई से लेकर सुरक्षा तक प्रत्येक व्यवस्था की जिम्मेदारी तय हो और श्रद्धालुओं की सुविधा में कोई कमी न रहने पाए।

बाल विवाह मुक्त भारत हस्ताक्षर अभियान हुई आयोजित



जितेन्द्र कनोजिया पत्रकार

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के थानागद्दी में स्थित सुखमय इंटर कॉलेज में बाल दिवस के अवसर पर आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था व जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन के सहयोग से बाल विवाह मुक्त भारत बनाने हेतु हस्ताक्षर अभियान आयोजित की गई।हस्ताक्षर अभियान का उद्देश्य बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाना व प्रत्येक बच्चे को शिक्षा,सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सम्मानपूर्ण जीवन का अधिकार दिलाना रहा।इस बाबत कॉलेज के प्रधानाचार्य शाबीर ने बाल विवाह रोकने एवं बच्चों की शिक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बाल विवाह बच्चों का भविष्य और अधिकारों के साथ अन्याय है; समाज को इसके विरुद्ध सक्रिय होना चाहिए।वही चन्द्र शेखर जायसवाल,अंकित दीक्षित व दीपनारायण संयुक्त रूप से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों को बाल विवाह की रोकथाम में अपनी भूमिका निभाने व पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए सजग रहने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के संकल्प के समर्थन में हस्ताक्षर करते हुए प्रतिबद्धता व्यक्त की।वही आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था के सदस्यों ने कहा कि बाल विवाह रोकने हेतु परिवार,विद्यालय, पंचायत और समाज का सहयोग अनिवार्य है। संस्था भविष्य में भी जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी, ताकि हर बच्चा अपने सपनों को पूरा करने का अवसर प्राप्त कर सके,इस अवसर पर भारी संख्या में विद्यार्थी,शिक्षकगण एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

चाकू दिखाकर दंपती को धमकाने का आरोप, आरोपी गिरफ्तार



बदलापुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना क्षेत्र के सरोखनपुर में चाकू दिखाकर दंपती को गाली देने और धमकी देने के मामले में पुलिस ने शनिवार को आकाश यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध चाकू बरामद किया है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है।

शनिवार की शाम लगभग 6 बजे पुलिस प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि सरोखनपुर निवासी मुन्ना यादव ने शिकायत दी थी कि आकाश यादव ने उन्हें और उनकी पत्नी को चाकू दिखाकर गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। आरोप है कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चाकू के साथ धमकी भरी रील भी पोस्ट करता था। शिकायत के आधार पर बदलापुर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 525/26 के तहत बीएनएस की धारा 352 और 351(3) में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सरोखनपुर नहर अंडरपास पुल के पास स्थित बगीचे से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 की भी बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ वर्ष 2021, 2025 और 2026 में दर्ज तीन अन्य मुकदमों का भी आपराधिक इतिहास है। गिरफ्तारी की जानकारी पुलिस ने शनिवार शाम करीब छह बजे प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

जगतपुर इंटर कॉलेज में छात्रों को बताए गए सड़क सुरक्षा के नियम



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में यातायात माह नवंबर 2026 के तहत सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जगतपुर इंटर कॉलेज, रोहनिया में यातायात पुलिस की ओर से जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन एवं पुलिस उपायुक्त यातायात के पर्यवेक्षण में आयोजित कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा और यातायात संकेतों की विस्तृत जानकारी दी गई।इस दौरान उपनिरीक्षक यातायात नारायण सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाना जानलेवा साबित हो सकता है। यातायात नियमों की अनदेखी से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में लोगों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के कानूनी परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि नाबालिग के वाहन चलाते पकड़े जाने या उससे दुर्घटना होने की स्थिति में नए नियमों के तहत अभिभावक को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

इसमें तीन वर्ष तक की जेल और 25 सौ रुपये जुमार्ने का प्रावधान है।उन्होंने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डेन आवर के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। साथ ही बताया कि ऐसे नेक कार्य करने वाले मददगारों को सरकार की ओर से 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जाता है।उपनिरीक्षक इंद्रभान सिंह गौर ने छात्र-छात्राओं को सड़क पर सुरक्षित चलने, यातायात संकेतों को समझने और नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से यातायात नियमों की जानकारी अपने परिवार और आसपास के लोगों तक पहुंचाने की अपील की।कार्यशाला के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य विपिन चंद्र राय ने यातायात पुलिस की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रवक्ता सत्येंद्र कुमार राय, अध्यापक कृष्णमणि, जगजीत सिंह तथा यातायात पुलिसकर्मी राम मूरत राय, मनोज कुमार, हरिश्चंद पाल और बृजेश यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनजातीय समुदाय के उत्थान, सरकारी योजनाओं से शत-प्रतिशत आच्छादन एवं जनजातीय संस्कृति के संरक्षण पर रहेगा विशेष जोर

बलरामपुर। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर 15 नवंबर 2026 को जनपद बलरामपुर में जनजातीय गौरव दिवस भव्य एवं गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा। इस अवसर पर थारू संग्रहालय, इमिलिया कोडर, पचपेड़वा में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदाय की गौरवशाली विरासत, संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक उत्थान को गति प्रदान करना है। जनजातीय गौरव दिवस के सफल आयोजन एवं जनजातीय समुदाय को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किए जाने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता द्वारा संबंधित विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए विभागवार जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया है कि जनजातीय ग्रामों में निवासरत पात्र व्यक्तियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। इसके अंतर्गत आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, श्रम कार्ड, बैंक खाते, आवास, पेंशन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं अन्य योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनजातीय समुदाय के पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का पंजीकरण, स्वास्थ्य परीक्षण तथा पोषण संबंधी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। थारू संग्रहालय, इमिलिया कोडर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के साथ ही नवीन आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण एवं पोषण वाटिका की स्थापना संबंधी कार्यवाही की जाएगी।

ग्राम्य विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जनजातीय ग्रामों के पात्र आवासहीन परिवारों को आवास उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाएगी। जिला पूर्ति विभाग द्वारा पात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड बनाए जाएंगे तथा उज्ज्वला योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाएगी। समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा पारिवारिक लाभ योजना, छात्रवृत्ति, पेंशन, सामूहिक विवाह योजना तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण एवं आधार सीडिंग सुनिश्चित की जाएगी। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा पात्र दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड एवं दिव्यांग प्रमाणपत्र बनवाने तथा विभागीय योजनाओं से लाभान्वित कराने की कार्यवाही की जाएगी। जनजातीय समुदाय के युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उद्योग विभाग द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम सहित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों के आवेदन एवं ऋण स्वीकृति की कार्यवाही की जाएगी।

रंगोली से क्षितिज तक: आशीरवाद ने उत्सव की रचनात्मकता को दी नई पहचान

ठाणे। इस दिवाली, सात खूबसूरत रंगोली डिजाइन उन घरों से निकलकर, जहां वे बनाए गए थे, अब देशभर के बिलबोर्ड पर एक बड़े सार्वजनिक कैनवास का हिस्सा बनने जा रहे हैं। आशीरवाद के घर लाएं आशीरवाद के दूसरे संस्करण के तहत, विजेता रंगोलियों को ठाणे में एक सप्ताह तक बिलबोर्ड पर प्रदर्शित किया जाएगा। इससे प्रतिभागियों को अपनी उत्सव की रचनात्मकता को अपने ही शहर में बड़े स्तर पर देखने और सम्मान करने का अवसर मिलेगा। पहले संस्करण की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, घर लाएं आशीरवाद 2 ने परिवारों को हँ३२अस्त्रस्त्र पर एक रोचक अनुभव दिया। वे अपनी बनाई हुई रंगोली साझा कर सकते थे या अक की मदद से डिजाइन तैयार कर लोकप्रिय अभिनेत्री रूपाली गांगुली से व्यक्तिगत दिवाली शुभकामनाएं प्राप्त कर सकते थे। इस अभियान को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और 50,000 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। परिवारों ने इसे अपनी रचनात्मकता दिखाने और रंगोली की प्यारी परंपरा को अपने अनोखे अंदाज में मनाने के मंच के रूप में अपनाया। चुनिंदा रंगोलियों को घरों से निकालकर बिलबोर्ड तक पहुंचाते हुए, आशीरवाद ने लोगों की निजी उत्सव अभिव्यक्तियों को समुदायों के लिए बड़े और यादगार प्रदर्शनों में बदल दिया। इस पहल पर अनुज रुस्तगी, बिजनेस यूनिट चीफ एग्जीक्यूटिव स्टेपल्स, फूड्स डिवीजन, क्ळ्ठ लिमिटेड ने कहा, दिवाली भारत का सबसे बड़ा त्योहार है और घर के सामने रंगोली बनाकर सजाना इसके उत्सव का अहम हिस्सा है। घर लाएं आशीरवाद के दूसरे संस्करण के जरिए हम इस प्यारी परंपरा और गृहिणियों की रचनात्मकता का सम्मान कर रहे हैं, सात विजेता डिजाइनों को बिलबोर्ड पर प्रदर्शित करके। लोगों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया दिखाती है कि यह परंपरा कितनी खुशी देती है।

70 लाख के गबन का मास्टरमाइंड 25 हजार का इनामी गिरफ्तार, फरीदाबाद से दबोचा



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद कमिश्नरेट पुलिस ने ज्वेलरी कंपनी में 70 लाख रुपये के गबन करने वाले मास्टरमाइंड 25 हजार के इनामी को हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई सिगरा पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से की है। नीचीबाग निवासी रितेश कुमार बबूना ने 7 सितंबर 2026 को सिगरा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। रितेश मेसर्स काशी मधुरम नाम से सोने-चांदी के आभूषण की दुकान चलाते हैं, जो अक्ररल्ढफ्ब्ब कंपनी प्रा. लि. की फ्रेंचाइजी है।आरोप है कि कंपनी में एरिया बिजनेस मैनेजर के पद पर तैनात राज कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी म.नं. 319/10 नियर बड़ा गुरुद्वारा मेहम, रोहतक (हरियाणा) उम्र 40 वर्ष ने अपने साथियों के साथ मिलकर करीब 70 लाख रुपये के आभूषण और नकदी का गबन किया और फरार हो गया। इस पर थाना सिगरा में मु0अ0सं0 0383/2026 धारा 316(5) इठर के तहत केस दर्ज हुआ था। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर काशी जोन के डीसीपी और एसीपी चेतगंज के नेतृत्व में टीम गठित हुई। सर्विलांस सेल और साइबर सेल की मदद से लोकेशन ट्रेस कर 14 नवंबर 2026 को गुर्जर भवन चौकी सेक्टर-16 थाना सेक्टर-17 फरीदाबाद से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्र, चौकी प्रभारी सौरभ शाही, एसओजी के उपनिरीक्षक आयुष पांडेय, गौरव कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी संतोष पासवान, आरक्षी अंकित मिश्रा, अभिषेक वर्मा, मनीष तिवारी, सुमित शाही, अश्वनी सिंह, अभिराम शर्मा व साइबर टीम के रोहित शामिल रहे।



डूबते सूरज के नाम आज आस्था का अर्घ्य

*** छठी मइया अइलीं अंगना, सोनवां जस चमकल संसार...**

*** खरना के साथ शुरू हुई 36 घंटे की कठिन तपस्या, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे व्रती**

*** गुड़-चावल की खीर और रोटी के प्रसाद से महकी घर-आंगन की देहरी, लोकगीतों की मिठास में घुली आस्था, गंगा घाटों से तालाबों तक सजेगा सूर्योपासना का संसार**



-सुरेश गांधी

वाराणसी। कहीं मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ियां सुलग रही थीं, कहीं गुड़ और चावल की खीर की मिठास पूरे घर को महका रही थी। आंगन में जलते दीप, दीवारों पर उकेरी गई रंगोलियां और वातावरण में घुलते छठी मइया के पारंपरिक गीत...। लोक आस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन शनिवार को खरना के साथ काशी का हर घर मानो भक्ति के आंगन में बदल गया। दिनभर उपवास और पवित्रता के विधान के बाद संध्या बेला में व्रतियों ने विधि-विधान से खरना पूजन किया। सूर्यदेव और छठी मइया को खीर-रोटी, केला और अन्य नैवेद्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान के आरोग्य और दीर्घायु की कामना की। इसके बाद प्रसाद ग्रहण कर परिजनों और पड़ोसियों में वितरित किया। इसी के साथ शुरू हो गई 36 घंटे की कठिन निर्जला तपस्या, जिसका पहला पड़ाव रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देना होगा।

खरना की शाम जैसे-जैसे गहराती गई, घरों से लोकगीतों की स्वर लहरियां उठने लगीं। 'कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाय...' और 'पानी में डूबल सुरज देव, सुन लीं अरज हमार...' जैसे पारंपरिक गीतों ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया। कहीं महिलाएं समूह में गीत गा रही थीं तो कहीं नई पीढ़ी भी इन लोकधुनों के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ती दिखी। 'छठी मइया अइलीं अंगना, भइल सोनवां जस उजियारा...' की भावधारा में डूबे घर-आंगन मानो लोकसंस्कृति के जीवंत मंच बन गए। खरना का प्रसाद पाने के लिए परिजनों और पड़ोसियों में भी विशेष उत्साह रहा। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि आस्था, पवित्रता और साझेपन का प्रतीक बनकर घर-घर पहुंचा।

अस्ताचलगामी सूर्य की प्रतीक्षा में सज उठे घाट

महापर्व के तीसरे दिन रविवार को सूर्यास्त के समय पहला अर्घ्य दिया जाएगा। इसके लिए गंगा के घाटों, तालाबों, पोखरों और अन्य जलाशयों पर तैयारियां पूरी की जा रही हैं। बांस के सूप और दउरा में सजे नारियल, केला, गन्ना, ठेकुआ, मौसमी फल और पूजन सामग्री के साथ व्रती जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। डूबते सूर्य की अंतिम किरणों के साथ जब हजारों हाथ एक साथ अर्घ्य के लिए उठेंगे, तब जल की लहरों पर दीपों की थरथराती लौ और छठ गीतों की गूंज आस्था का अनुपम दृश्य रचेगी। काशी के गंगा घाटों से लेकर मोहल्लों के सरोवरों तक लोकविश्वास का यही रंग दिखाई देगा।

आस्था के साथ सुरक्षा और सुविधा की तैयारी

छठ पूजा को देखते हुए प्रशासन ने भी घाटों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने एडीजी नवीन अरोड़ा और अपर पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा के साथ मोटरबोट से नमो घाट से अस्सी घाट तक निरीक्षण कर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। घाटों पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, खोया-पाया केंद्र, गहरे पानी वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए अलग पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तालाबों, पोखरों और अन्य छठ स्थलों पर भी विशेष सफाई कराने को कहा गया है। आवागमन के रास्तों पर संकेतक लगाने और खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

डूबते सूर्य से उगते सूर्य तक कृतज्ञता का अनुष्ठान

छठ की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसमें डूबते और उगते, दोनों सूर्य की उपासना की जाती है। रविवार की संध्या अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती पूरी रात निर्जला उपवास और आराधना में लीन रहेंगे। सोमवार की भोर में उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इसके बाद व्रतियों के पारण के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन होगा। दरअसल, खरना केवल एक धार्मिक विधान नहीं, बल्कि आत्मसंयम, शुद्धता और त्याग की साधना का आरंभ है। छठ में आडंबर से अधिक पवित्रता, वैभव से अधिक सादगी और व्यक्तिगत कामना से अधिक परिवार व समाज के मंगल का भाव प्रधान है। प्रकृति के प्रत्यक्ष देवता सूर्य और जीवनदायिनी जलधारा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाला यह पर्व मनुष्य को प्रकृति के साथ अपने रिश्ते का भी स्मरण कराता है। यही वजह है कि छठ किसी एक शहर, प्रदेश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा। बिहार, पूर्वांचल से लेकर देश के महानगरों और विदेशों तक भारतीय मूल के लोग इसी आस्था के साथ इस पर्व को मनाते हैं। घाटों पर उठते अर्घ्य के सूप और घरों में गूंजते लोकगीत पीढ़ियों को जोड़ते हुए उस सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं, जिसमें भक्ति ही नहीं, प्रकृति, परिवार और समाज के प्रति कृतज्ञता का भाव भी समाहित है.

पालघर में विधायक डॉ. हेमंत सांवरा की अध्यक्षता में PWD अधिकारियों के साथ अहम बैठक



पालघर। पालघर के विधायक डॉ. हेमंत सांवरा की मौजूदगी में पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (PWD) के वरिष्ठ अधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़कों के विकास कार्यों को लेकर अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में बोईसर से चिल्लर फाटा (स्टेट हाईवे क्रमांक 74) और वानगांव से रानशेत (मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड क्रमांक 14) सड़क के विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान MDB पैकेज-4 के अंतर्गत दोनों सड़कों के कार्यों का विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। साथ ही यूटिलिटी बजट, डीपीआर (DPR) और विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी भी ली गई। डॉ. हेमंत सांवरा ने सड़क निर्माण कार्यों को निर्धारित योजना के अनुसार बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने तथा आवश्यक प्रक्रियाओं में तेजी लाने पर जोर दिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रवासियों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराना तथा दोनों महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना रहा। पालघर के सड़क विकास और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संगीत साहित्य मंच की 137 वीं काव्यगोष्ठी संपन्न



ठाणे। साहित्यिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था संगीत साहित्य मंच की 137 वीं काव्यगोष्ठी शनिवार 14 नवंबर 2026 को वाघविल नाका ठाणे पश्चिम उमेश मिश्र प्रभाकर के आवास पर आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ गजलकार एन बी सिंह नादान ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में पंडित श्रीधर मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप उपस्थित थे।मंच का खूबसूरत संचालन उमेश मिश्रा प्रभाकर ने किया। गोष्ठी का शुभारंभ सदाशिव चतुर्वेदी मधुर की वंदना से हुई तत्पश्चात वरिष्ठ साहित्यकार टी आर खुराना, अजय सिंह, डॉ अरुण मिश्रा अनुरागी, रामजीत गुप्ता, राजेश दुबे अल्हड़ असरदार, बालकवि व्योम दुबे ने अपनी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।गोष्ठी छठ महापर्व,दीपावली एवं बाल दिवस पर समर्पित रही। अंत में संयोजक रामजीत गुप्ता ने सभी की सराहना की और सह संयोजक सदाशिव चतुर्वेदी मधुर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जामताली शुक्लान में सात दिवसीय रामलीला का भव्य मंचन



मुंबई। जनपद प्रतापगढ़ स्थित रानीगंज तहसील क्षेत्र के श्री रामलीला समिति जामताली शुक्लान की ऐतिहासिक रामलीला का उद्घाटन बृहस्पतिवार को रामलीला समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार दुबे एडवोकेट ने भगवान की आरती उतार कर रामलीला का भव्य उद्घाटन किया। यहां पर प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी 11 नवंबर से 17 नवंबर तक सात दिवसीय संगीतमयी रामलीला का भव्य मंचन किया जा रहा है। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता प्रखर वक्ता अध्यक्ष दिनेश कुमार दुबे एडवोकेट ने कहा कि श्री रामलीला समिति जामताली शुक्लान के संस्थापक स्वर्गीय अशोक कुमार शुक्ल पत्रकार के साथ अच्छे कलाकार भी थे। उन्होंने आज से 40 वर्ष पूर्व रामलीला की स्थापना कर सनातन धर्म को मजबूत करने का काम किया। उन्होंने स्वर्गीय श्री शुक्ल के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित किया। अध्यक्ष श्री दूबे ने आगे कहा कि रामलीला का मंचन हमें जीवन जीने की कला सिखाती है हम सबको राम के आदर्शों पर चलने की जरूरत है। और भाइयों में राम और भरत जैसा त्याग करने की जरूरत है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम मयार्दा के प्रति मूर्ति थे। रामलीला समिति के डायरेक्टर अमित कुमार शुक्ल ने आए हुए लोगों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अध्यक्ष दिनेश कुमार दुबे एडवोकेट, डायरेक्टर अमित कुमार शुक्ल, राम आसरे शुक्ल, विमल शुक्ल, ब्रह्म किशोर शुक्ल, राम समुझ शुक्ल, विनय शुक्ला, राजेंद्र प्रसाद शुक्ल, के. के. तिवारी, पंकज पांडेय, लल्लू दुबे, अमर सिंह, मान सिंह, नंदन सिंह, दीपक राम त्रिपाठी, आदित्य शुक्ल, शुभम शुक्ल, पंकज पांडेय, बबलू शुक्ल, राज शुक्ल, अनुराग शुक्ल, राजेंद्र शुक्ल, ब्यास लल्लू रसिया, गौरी शंकर, करमचंद उमर वैश्य, श्रीकांत पाल, राकेश पाल, विमल पाल, अजय कुमार सहित समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और तमाम क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

पत्रकार रोहित जायसवाल के निधन से पत्रकारिता जगत को अपूर्णीय क्षति: रंजन त्रिपाठी



प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ पट्टी ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की आवश्यक बैठक गुरुवार को पट्टी डाक बंगले में जिलाध्यक्ष रंजन त्रिपाठी की अध्यक्षता में युवा पत्रकार रोहित जायसवाल के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित कर गहरा शोक व्यक्त कर पत्रकारों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। और इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने रोहित जायसवाल के परिजनों की आर्थिक मदद करने का निर्णय लिया। इसके लिए संगठन की ओर से एक यूपीआई नंबर और बारकोड ग्रुप में साझा किया गया। सभी पत्रकार साथी अपनी इच्छानुसार आर्थिक सहयोग भेजकर उसका स्क्रीनशॉट ग्रुप में साझा करेंगे। रविवार को जिलाध्यक्ष रंजन त्रिपाठी की मौजूदगी में एकत्रित धनराशि रोहित जायसवाल के परिजनों को सौंपी जाएगी। पत्रकारों ने कहा कि यह पहल केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि किसी भी पत्रकार साथी पर संकट आने पर पूरे पत्रकार समाज को एकजुट होकर खड़े होने का संदेश भी है। इस दौरान जिला अध्यक्ष रंजन त्रिपाठी ने कहा कि निष्पक्ष निर्भीक पत्रकार रोहित जायसवाल के निधन से पत्रकारिता जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है। जिसकी भरपाई कर पाना मुश्किल है। रोहितजयसवाल की कमी पत्रकारिता जगत में सदैव खलती रहेगी। उन्होंने इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा रहने का आश्वासन दिया।और बैठक में प्रमुख रूप से ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रंजन त्रिपाठी,तहसील अध्यक्ष बालेंद्र भूषण पांडेय, बृजेश सिंह, सत्यनारायण खंडेलवाल, विनोद तिवारी, रविंद्र मिश्र, राकेश तिवारी, अजीत तिवारी, अमरजीत शर्मा, मान सिंह, ज्ञान सिंह, संतोष वर्मा विजय पाठक, शिवाकांत पांडेय, अंकित पाठक, अंकित पांडेय, संजय पांडेय समेत संगठन के तमाम सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

बदलापुर विधानसभा में तनुज पाण्डेय निकालेंगे विशाल बाइक रैली



जौनपुर। विधानसभा क्षेत्र बदलापुर में राजनीतिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से युवा सपा नेता तनुज पाण्डेय की ओर से आगामी 22 नवंबर 2026 को विशाल बाइक रैली का आयोजन प्रस्तावित है। रैली के माध्यम से क्षेत्र में जनसंपर्क और बदलाव का संदेश देने की तैयारी की गई है। जारी रूट मैप के अनुसार बाइक रैली का शुभारंभ सुबह 9 बजे मधुपुर स्थित तनुज पाण्डेय के आवास से होगा। इसके बाद रैली पुरालाल, सिंगरामऊ, बदलापुर चौराहा (इंदिरा चौक), रामजानकी क्रॉसिंग होते हुए महराजगंज पहुंचेगी। महराजगंज को रैली का अंतिम पड़ाव निर्धारित किया गया है। युवा सपा नेता तनुज पाण्डेय (विधानसभा बदलापुर-364) इस कार्यक्रम के आयोजक हैं। रैली को लेकर जारी पोस्टर में 'बदलापुर बदलाव की ओर' का नारा दिया गया है। आयोजन के माध्यम से क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी और जनसंपर्क को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। रैली को लेकर जारी रूट मैप के बाद अब क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने की संभावना है।

जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस की नई सौगात



मुंबई। जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (GCLI) ने एकीकृत भारत-केंद्रित मीडिया रणनीति के साथ अपने राष्ट्रीय ब्रांड अभियान HERE.NOW. का नया अध्याय लॉन्च किया है। बच्चों के भविष्य की योजना और रिटायरमेंट की तैयारियों पर केंद्रित यह अभियान, ब्रांड के अपने बिंदास सपनों के लिए बड़ा सोचो के मूल विचार को हकीकत में बदलता है। शिक्षा की लगातार बढ़ती लागत और लोगों के बढ़ते आयुकाल के कारण आज के समय में बच्चों की उच्च शिक्षा और सेवानिवृत्ति के लिए पहले से ठोस वित्तीय योजना बनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। यह अभियान ग्राहकों को भविष्य के सपनों को सच करने के लिए आज ही निर्णायक कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है। उल्लेखनीय है कि जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस, वैश्विक बीमा अग्रणी जेनेराली और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का एक संयुक्त उद्यम है, जो अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता और भारतीय बैंकिंग की समृद्ध विरासत का संगम है।

दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित रखने के लिए कंपनी ने चुनिंदा बेस प्लान्स पर नया ह्यवेवर ऑफ प्रीमियम राइडर पेश किया है। यह 'प्योर-रिस्क प्रीमियम राइडर' दुर्घटना के कारण संपूर्ण और स्थायी विकलांगता, बीमित गंभीर बीमारी, या पॉलिसीधारक की मृत्यु (जहाँ लागू हो) जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों में भविष्य के सभी प्रीमियम माफ कर देता है, जबकि पॉलिसी के लाभ बिना किसी रुकावट के जारी रहते हैं।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कंपनी जेनेराली सेंट्रल एश्योर्ड एजुकेशन प्लान, लॉन्ग टर्म इनकम प्लान और मनी बैक सुपर प्लान जैसे समाधान प्रदान करती है, वहीं रिटायरमेंट की तैयारी के लिए जेनेराली सेंट्रल सुनहरा पेंशन प्लान और लाइफटाइम पार्टनर प्लान जैसे विकल्प उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, अभियान का मुख्य आकर्षण बड़ा सोचो ड्रीम्स वॉल है—एक इंटरैक्टिव डिजिटल प्लेटफॉर्म जो लोगों को अपने सपने लिखने और उन्हें पूरा करने का संकल्प लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ आलोक रुंगटा ने कहा, भारतीय परिवारों के लिए बच्चों के भविष्य की योजना और सेवानिवृत्ति की तैयारी दो सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय प्राथमिकताएं हैं। जीवन बीमा श्रेणी में लगभग 70% व्यवसाय इन्हीं दोनों वर्गों से आता है। हमारा नया 'वेवर ऑफ प्रीमियम राइडर' ग्राहकों को अप्रत्याशित परिस्थितियों में भी अपनी वित्तीय योजनाओं को निरंतर जारी रखने का भरोसा देता है। जेनेराली की वैश्विक विशेषज्ञता और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की भरोसेमंद विरासत के साथ, हम एक भरोसेमंद आजीवन सहयोगी के रूप में जीवन बीमा को सरल और सुलभ बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं। इस अभियान को देश के शहरी और अर्ध-शहरी बाजारों तक पहुंचाने के लिए 360-डिग्री मीडिया रणनीति अपनाई गई है, जिसमें 100 से अधिक शहरों में 10 भाषाओं में आउटडोर विज्ञापन, प्रमुख न्यूज व एंटरटेनमेंट टीवी चैनल्स, ट्रांज़िट मीडिया, क्रिकेट, ओटीटी और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

राहुल नॉलेज सिटी में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस



चंदौली। बाल दिवस के अवसर पर राहुल नेशनल ग्रुप ऑफ कॉलेज के अंतर्गत राहुल इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी, सचिव राहुल तिवारी और सीओओ उत्सव तिवारी के मार्गदर्शन में बाल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में बच्चों के बीच उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रबंधक आनंद तिवारी सोनू ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी प्रतिभा को निखारना, उन्हें बेहतर शिक्षा देना और अच्छे संस्कारों से जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डायरेक्टर आनंद तिवारी, सोनू तिवारी एवं प्रधानाचार्य बृजेश कुमार सिंह ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राहुल नेशनल ग्रुप ऑफ कॉलेज शिक्षा के साथ बच्चों में संस्कार, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों को विकसित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें एक बेहतर नागरिक के रूप में तैयार करना है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना की।

विधानसभा घेराव के लिए लखनऊ में अधिवक्ताओं का हुंकार, चार बैरिकेडिंग भी नहीं रोक पाई हौसला

*** अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन**

*** कल्याण निधि 5 लाख से बढ़ाकर 25 लाख करने की भी उठी मांग**



-शुभम कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की मांग को लेकर शनिवार 14 नवंबर 2026 को राजधानी लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला। अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराने की मांग को लेकर दीवानी न्यायालय जौनपुर के अध्यक्ष अवधेश सिंह, मंत्री मनीष सिंह, कार्यकारिणी सदस्य अजीत कुमार यादव सहित तमाम अधिवक्ता साथी विधानसभा घेराव के लिए लखनऊ रवाना हुए। अधिवक्ताओं का उद्देश्य शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों और अधिकारों की आवाज सरकार तक पहुंचाना था। विधानसभा की ओर बढ़ रहे अधिवक्ताओं के रास्ते में पुलिस प्रशासन ने चार-चार बैरिकेडिंग लगाकर रास्ता बंद कर दिया। इसके बावजूद अधिवक्ताओं का जोश और हौसला कम नहीं हुआ। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ता कल्याण निधि की परिपक्वता राशि 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। इस संबंध में सेंट्रल बार एसोसिएशन, सिविल कोर्ट रायबरेली का बैनर भी प्रदर्शन में दिखाई दिया।

अधिवक्ताओं का कहना है कि न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करना समय की मांग है। जौनपुर के अधिवक्ताओं ने अपनी एकजुटता के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया कि सुरक्षा, सम्मान और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर उनकी आवाज लगातार बुलंद होती रहेगी। अधिवक्ताओं ने सरकार से मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द ठोस कदम उठाने की अपील की।

छठ घाटों पर सुविधाओं का इंतजाम, देव दीपावली की तैयारी भी तेज



-सुरेश गांधी

वाराणसी। लोक आस्था के महापर्व छठ की आस्था और गंगा महोत्सव व देव दीपावली के भव्य आयोजनों को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने शनिवार को एडीजी नवीन अरोड़ा और अपर पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा के साथ मोटरबोट से नमो घाट से अस्सी घाट तक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाटों की व्यवस्थाएं परखीं और संबंधित अधिकारियों को समय से सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। डीएम ने स्पष्ट कहा कि छठ पूजा के दौरान घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए, ताकि व्रतियों को स्नान, पूजन और अर्घ्य देने में किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने नगर निगम को घाटों की नियमित सफाई कराने और सभी स्ट्रीट लाइटों की जांच कर खराब लाइटों को तत्काल दुरुस्त करने को कहा। अस्सी घाट पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, सफाई और प्रकाश व्यवस्था का भी जायजा लिया। छठ पूजा स्थलों पर पर्याप्त रोशनी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, खोया-पाया केंद्र और गहरे पानी वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए अलग पार्किंग, आवागमन के स्पष्ट रास्ते और आवश्यकतानुसार संकेतक लगाने को कहा। जनपद के तालाबों, पोखरों और अन्य घाटों पर भी विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

नमो घाट पर देव दीपावली की खास तैयारी

गंगा महोत्सव, देव दीपावली और काशी तमिल संगम की तैयारियों के मद्देनजर नमो घाट पर विशेष व्यवस्थाओं की रूपरेखा भी परखी गई। डीएम ने वीवीआईपी और आम श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं, बैरिकेडिंग, स्मार्ट लाइटिंग, पुष्प सज्जा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मंच और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। देव दीपावली पर नावों के आवागमन को व्यवस्थित करने के लिए कई बोर्डिंग प्वाइंट बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा सेफ हाउस, मैट, कुर्सियां, टेंट, पार्किंग, अतिथियों के लिए वॉशरूम और दीये जलाने के विशेष इंतजाम करने को कहा। रूट चार्ट, यातायात प्रबंधन और एक्सेस कंट्रोल की व्यवस्था भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि छठ महापर्व के बाद सभी विभाग देव दीपावली की तैयारियों में जुट जाएं। संयुक्त निदेशक पर्यटन को गंगा महोत्सव और देव दीपावली की तैयारियां अभी से शुरू कराने को निर्देशित किया। निरीक्षण में एडीएम (वित्त एवं राजस्व) सदानंद गुप्ता, एडीएम सिटी राजेश कुमार, अपर नगर आयुक्त, संयुक्त निदेशक पर्यटन दिनेश कुमार सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

सनफीस्ट मॉम्स मैजिक मना रहा है हर घर की छठी मैया का उत्सव

पटना। हर छठ पर परिवार अपने बच्चों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए छठी मैया से प्रार्थना करते हैं। घाटों से लेकर घरों तक, अनेक माताएं कठिन व्रत रखती हैं, ठेकुआ बनाती हैं और अपने परिवार की खुशहाली के लिए पूजा-अर्चना करती हैं। इस छठ पर सनफीस्ट मॉम्स मैजिक अपने अभियान हर घर की छठी मैया के माध्यम से माताओं के प्रेम और समर्पण को सम्मान दे रहा है। इस अभियान का संदेश है कि इस छठ, छठी मैया को नमन और मां को प्रणाम। इस व्यक्तिगत पहल को घरों की सीमाओं से आगे ले जाते हुए, साझा की गई तस्वीरों को पटना में रमना रोड, गांधी घाट के पास, सूर्य के आकार की एक आकर्षक कलाकृति के रूप में प्रदर्शित किया गया है, जिसमें छठी मैया की एक विशाल छवि उभरेगी। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए दुलारी देवी ने कहा कि छठ एक ऐसा त्योहार है जो श्रद्धा, त्याग और अपने परिवार के प्रति एक माँ के निस्वार्थ प्रेम को दर्शाता है। मधुबनी कला के माध्यम से, हमने हमेशा उन मूल्यों और परंपराओं का जश्न मनाया है जो परिवारों को एक साथ लाते हैं। मुझे सनफीस्ट मॉम्स मैजिक की हर घर की छठी मैया पहल से जुड़कर खुशी हो रही है। यह पहल लोगों को उन माताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिनकी देखभाल और आशीर्वाद हमारे जीवन को हर दिन समृद्ध बनाते हैं।

रोहित शर्मा ने अपनी और रितिका की प्रेम कहानी को किया याद

पटना। फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा में रोहित शर्मा ने खुलकर बताया कि उनकी रितिका से पहली मुलाकात साल 2008 में एक ऐड शूट के दौरान हुई थी। रितिका वहां किसी प्लेयर की मैनेजर थी। विज्ञापन शूट के दौरान हुई उनकी पहली बातचीत ने सात साल पुरानी दोस्ती की नींव रखी, जो आगे चलकर 2015 में शादी के रिश्ते में बदल गई। आज रोहित और रितिका दो बच्चों के माता-पिता हैं और क्रिकेट के मैदान से परे एक खूबसूरत जीवन साथ बिता रहे हैं। देखिए फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर।